दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 319/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शुक्रवार 04 जुलाई 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

● भारतीय समुदाय के बीच पहुंचे, लगे सियावर रामचंद्र की जय के नारे

हम एक परिवार का हिस्सा हैं: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच देशों की अपनी यात्रा के दौरान त्रिनिदाद एवं टोबैगो पहुंच गए हैं। पियार्को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का औपचारिक रूप से स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री इससे पहले घाना गए थे। त्रिनिदाद एवं टोबैगो में मौजूद भारतीय समुदाय ने सियावर रामचंद्र की जय के नारे लगाए। संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मैं कुछ समय पहले ही गुनगुनाते पक्षियों की इस खूबसूरत भूमि पर आया हूं और मेरा पहला संवाद यहां के भारतीय समुदाय के साथ है। यह पूरी तरह से स्वाभाविक लगता है क्योंकि हम एक परिवार का हिस्सा हैं। त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय समुदाय की यात्रा साहस से भरी है। आपके पूर्वजों ने कठिनाइयों, समस्याओं का डटकर सामना किया। वे गंगा और यमुना को पीछे छोड़ गए लेकिन अपने दिलों में रामायण ले गए। उन्होंने अपनी मिट्टी छोड़ी, लेकिन अपना नमक नहीं। वे केवल प्रवासी नहीं थे, वे एक

शाश्वत सभ्यता के संदेशवाहक थे। उनके योगदान ने इस देश को सांस्कृतिक, आर्थिक और आध्यात्मिक रूप से लाभान्वित किया है। प्रधानमंत्री के रूप में मोदी का यह पहला दौरा है और 1999 के बाद से त्रिनिदाद और टोबैगो में प्रधानमंत्री स्तर पर यह पहला भारतीय द्विपक्षीय दौरा है। इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू और प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर के साथ बातचीत करेंगे तथा द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने पर चर्चा करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'जब मैं पिछली बार आया था, तब से लेकर अब तक 25 साल हो चुके हैंज्हमारी दोस्ती और भी मजबूत हुई है।

भारतीय प्रवासियों की छठी पीढ़ी को ओआईसी कार्ड मिलेंगे

यहां प्रधानमंत्री मोदी ने बड़ा ऐलान किया और कहा कि त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय प्रवासियों की छठी पीढ़ी को ओवरसीज सिटिजनशिप ऑफ इंडिया कार्ड (ओआईसी कार्ड) दिए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आप सिर्फ खून या उपनाम से नहीं जुड़े, आप भारत से दिल से जुड़े हैं। भारत आपका स्वागत करता है और आपको गले लगाता है। दरअसल ओआईसी कार्ड भारतीय मूल के विदेशी नागरिकों को दिया जाने वाला एक विशेष आव्रजन दर्जा है, जो उन्हें अनिश्चित काल तक भारत में रहने और काम करने की अनुमति देता है। यह अनिवार्य रूप से उन लोगों के लिए आजीवन वीज़ा है जो पहले भारतीय नागरिकता रखते थे या इसके पात्र थे।

त्रिनिदाद और टोबैगो की पीएम को बताया बिहार की बेटी

पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री कमला पर्साद-बिसेसर को बिहार की बेटी बताया। उन्होंने कहा, त्रिनिदाद और टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला पर्साद-बिसेसर के पूर्वज बिहार के बक्सर से थे। कमला खुद वहां जाकर भी आई हैं और लोग उन्हें बिहार की बेटी मानते हैं। यहां उपस्थित अनेक लोगों के पूर्वज बिहार से ही आए हैं। बिहार की विरासत भारत के साथ ही दुनिया का भी गौरव है। लोकतंत्र हो, राजनीति हो, कूटनीति हो, उच्च शिक्षा हो, बिहार ने सदियों पहले दुनिया को ऐसे अनेक विषयों में नई दिशा दिखाई थी। मुझे विश्वास है कि 21वीं सदी की दुनिया के लिए भी बिहार की धरती से नई प्रेरणाएं और नए अवसर निकलेंगे।

पीएम 18 को बिहार जाएंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चुनावी साल में एक बार फिर बिहार दौरा होने वाला है। 18 जुलाई को उनकी मोतिहारी में जनसभा प्रस्तावित है। नीतीश सरकार और भारतीय जनता पार्टी इसकी तैयारियों में जुट गई है। बताया जा रहा है कि मोतिहारी रैली से पीएम मोदी बिहार की महिलाओं एवं लड़कियों को कोई बड़ी सौगात दे सकते हैं। इसके अलावा वे विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी करेंगे।

सांध्यप्रकाश विशेष

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की रेस में कई नाम, महिला को भी मिल सकती है कमान

नई दिल्ली। छह राज्यों के भाजपा अध्यक्षों के चुनाव के बाद अब पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव का आधार तैयार हो गया। पार्टी में संगठनात्मक बदलाव की प्रक्रिया भी तेज हो गई। नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन को लेकर चल रही खींचतान के बीच नई खबर वर्तमान अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल जनवरी 2023 में ही समाप्त गया था। लेकिन, पार्टी ने उन्हें जून 2024 तक का विस्तार दिया था। इसे भी एक साल हो गया। अब नए अध्यक्ष की घोषणा अगले कुछ दिनों में हो सकती है। इसमें तीन प्रमुख महिला नेताओं के

यह है किपहली बार किसी महिला को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने का विचार कर सकती है। क्योंकि, हाल के वर्षों में महिला मतदाताओं को लुभाने में बड़ी सफलता पाई है। विशेष रूप से मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली जैसे राज्यों में यह सफलता कुछ ज्यादा ही आंकी गई। पार्टी के नाम चर्चा में सामने आए हैं। वित्त मंत्री और पूर्व रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण, बहुभाषी नेता आंध्र प्रदेश भाजपा की पूर्व अध्यक्ष डी पुरंदेश्वरी और भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुकी तमिलनाडु की कोयंबटूर दक्षिण सीट से विधायक वनाथी श्रीनिवासन के नाम भी दावेदारों में शामिल हैं।

भाजपा के नए नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष एवं बैतूल के विधायक हेमंत खंडेलवाल ने आज भोपाल के भाजपा मुख्यालय में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं से मुलाकात की सभी ने नए अध्यक्ष का स्वागत कर उन्हें बधाई दी। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल भी मौजूद रहे।

सीएम ने प्रदेश के 94,234 मेधावी विद्यार्थियों को खातों में डाले लैपटॉप के 25-25 हजार रुपए

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को राज्य के 94,234 मेधावी छात्रों को लैपटॉप खरीदने के लिए 25-25 हजार रुपए की सहायता राशि उनके बैंक खातों में ट्रांसफर की। यह राशि प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के तहत दी जा रही है। भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने मेधावी छात्रों के बैंक खातों में राशि डाली है। इस योजना के लिए राज्य सरकार कुल 238 करोड़ रुपए खर्च कर रही है। कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह और जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. विजय शाह भी पहुंचे है। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल (एमपीबीएसई) की 12वीं बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को यह लाभ मिला है। योजना के तहत छात्रों को सीधे उनके बैंक खाते में 25,000 की राशि भेजी जाती है ताकि वे अपनी पसंद का लैपटॉप खरीद सकें। प्रदेश के विभिन्न जिलों में इस अवसर पर अलग-अलग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

यह आर्थिक मदद नहीं, प्रतिभा का सम्मान है

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस योजना को सिर्फ आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि प्रदेश की मेधा शक्ति को सम्मान देने का प्रयास बताया है। उन्होंने कहा कि आज के युग में तकनीक सफलता की कुंजी है, और एक लैपटॉप छात्रों को भविष्य संवारने में मदद कर सकता है। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सभी जिलों में किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रमों में मंत्री, सांसद, विधायक और जनप्रतिनिधि शामिल हुए हैं। 500 से अधिक विद्यार्थी और शिक्षक इस राज्य स्तरीय आयोजन में प्रत्यक्ष रूप से शामिल हुए।

पिछले साल भी 89 हजार छात्रों को मिली थी राशि

2023-24 में सरकार ने 89,710 छात्रों को 224.27 करोड़ की राशि दी थी। यह योजना वर्ष 2009-10 से लागू है। पिछले 15 वर्षों में अब तक 4.32 लाख विद्यार्थियों को लगभग 1,080 करोड़ की सहायता राशि प्रदान की जा चुकी है।

दिल्ली में आज से शुरू होगी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारकों की बैठक

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक का आयोजन केशव कुंज (दिल्ली) में 4 से 06 जुलाई तक होने वाला है। बैठक में मुख्यत: संगठनात्मक विषयों पर चर्चा होगी। यह बैठक कोई निर्णय लेने वाली बैठक नहीं है। प्रांतों में संगठन के कार्य की

प्रगति व अनुभवों पर चर्चा होती है। कार्य विभागों के कार्य को लेकर भी चर्चा होती है। बैठक में सरसंघचालक, सरकार्यवाह की उपस्थिति रहती है। उनका मार्गदर्शन सभी कार्यकर्ताओं को प्राप्त होता है। बैठक में सभी सह सरकार्यवाह, कार्य विभाग प्रमुख और संघ प्रेरित 32 विविध संगठनों के अखिल भारतीय संगठन मंत्री उपस्थित रहेंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने आज केशव कुंज में पत्रकारों से बातचीत के दौरान बैठक में आने वाले विषयों के संबंध में जानकारी प्रदान की।

कीव पर रूस ने 1 मिनट में दागी 10 मिसाइलें, 13 भूकंप के झटके भी लगे

मास्को/कीव। अमेरिकी हथियारों की आपूर्ति रुकते ही रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर बड़ा हमला कर दिया है। रूस के इस हमले से यूक्रेन में कोहराम मच गया है। पुतिन की सेना ने कीव पर हर 6 सेकेंड पर एक मिसाइल दाग रही है। अब तक 10 से ज्यादा

मिसाइल दागे जाने की खबर है। बता दें यह हमला रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बातचीत के कुछ घंटे बाद ही किया गया। रिपोर्ट के अनुसार कीव में 13 भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। वहीं 10 हमले में 19 लोगों के घायल होने की खबर है, जिन्हें आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गुजरात में बड़ी कार्रवाई

हथकड़ी लगाकर 250 अवैध बांग्लादेशियों को किया डिपोर्ट

वडोदरा। एयरफोर्स स्टेशन से 250 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को विशेष एयरफोर्स विमान के जरिए ढाका भेजा गया। यह कार्रवाई राज्य में चल रहे घुसपैठियों के विरुद्ध अभियान का हिस्सा है, जिसमें पिछले दो महीनों में 1,200 से अधिक अवैध प्रवासियों को गिरफ्तार कर उनके देश लौटाया गया है। एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था अत्यधिक

कड़ी थी। सभी प्रवासियों को हथकड़ियों में बांधकर रखा गया, जिससे संभावित अप्रिय घटनाओं से बचा जा सके। प्रवासियों को गाड़ियों द्वारा एयरपोर्ट तक लाया गया और फिर एयरफोर्स विमान में बैठाया गया। गुजरात पुलिस और अन्य एजेंसियों ने अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा, राजकोट सहित कई शहरों में अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ अभियान चलाया है। यह पहल गुजरात की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई के रूप में मानी जा रही है।

फर्जी दस्तावेज और मानव तस्करी रैकेट- जांच में यह सामने आया है कि कई व्यक्तियों ने फर्जी आधार कार्ड, पैन कार्ड और अन्य पहचान पत्रों का उपयोग किया था इन दस्तावेजों के चक्र का पीछेएक मानव तस्करी और पहचान दस्तावेज बनाने वाले रैकेट का हाथ है।

रूस ने अफगानिस्तान में तालिबान सरकार को मान्यता दी

काबुल/मॉस्को। अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता को रूस ने आधिकारिक मान्यता दे दी है। ऐसा करने वाला रूस दुनिया का पहला देश बन गया है। यह घोषणा गुरुवार को काबुल में अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी और अफगानिस्तान में रूस के राजदूत दिमित्री झिरनोव के बीच हुई बैठक के बाद की गई। तालिबान सरकार ने रूस के इस कदम को बहादुरी भरा फैसला बताया है। मुत्ताकी ने बैठक के बाद जारी एक वीडियो बयान में कहा, यह साहसी फैसला दूसरों के लिए एक मिसाल बनेगा।

एस्ट्रोनॉट शुभांशु बोले-उड़ने का डर, खुद को बांधकर सोता हूं, स्पेस स्टेशन से छात्रों से बात की, कहा- रोज योग करता हूं

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर पहुंचने वाले भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश और केरल के छात्रों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत की। इस दौरान छात्रों ने अंतरिक्ष में जीवन से जुड़े कई सवाल पूछे, जिनके शुक्ला ने डिटेल में जवाब दिए। इस दौरान उन्होंने जीरो ग्रैविटी में तैरते हुए गेंद से खेलकर दिखाया।

छात्रों ने पूछा- अंतरिक्ष में कैसे सोते हैं? जवाब में शुक्ला ने बताया- अंतरिक्ष में फर्श या छत जैसी कोई चीज नहीं होती, इसलिए कोई

दीवार पर सोता है तो कोई छत पर। सोते समय खुद को बांधना पड़ता है ताकि तैरते हुए कहीं और न चले जाएं।

जबलपुर-अमरकंटक नेशनल हाईवे बंद, नर्मदा नदी में मंदिर डूबा

डिंडौरी में घरों में पानी घुसा; टीकमगढ़ में 8 घंटे में 6 इंच बारिश

भोपाल। मध्यप्रदेश में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। इस वजह से कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। टीकमगढ़ में गुरुवार रात 12 बजे से सुबह 7:30 बजे तक भारी बारिश हुई। करीब 8 घंटे में 6 इंच पानी गिर गया। शुक्रवार सुबह जब लोगों की नींद खुली तो घरों में पानी भरा हुआ था।

डिंडौरी में 24 घंटे में 7 इंच बारिश हुई है, यहां सड़कों पर दो फीट से ज्यादा पानी भरा हुआ है। सिवनी नदी का पानी पुल पर आने से जबलपुर-अमरकंटक नेशनल हाईवे बंद हो

गया है। जिले में नर्मदा नदी में मंदिर डूब गया। वहीं, गुना में शुक्रवार अलसुबह हुई तेज बारिश के बाद कई इलाकों में पानी भर गया। सड़कें तालाब बन गईं। एबी रोड पर तीन फीट तक जमा है। यहां गाड़ियां भी डूब गई हैं।

मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को जबलपुर, मंडला, डिंडौरी, बालाघाट, श्योपुर, शिवपुरी और गुना में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। अगले 24 घंटे में यहां 8 इंच तक पानी गिर सकता है। वहीं, ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, विदिशा, रायसेन, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, सिवनी, नरसिंहपुर, सागर, दमोह, राजगढ़, अशोकनगर, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, कटनी, मैहर, उमरिया, शहडोल और अनूपपुर में भारी बारिश हो सकती है।

स्वामी विवेकानंद को शतशत नमन

(पुण्यतिथि - 04.07.1902)

हर साल, 4 जुलाई स्वामी विवेकानंद जी की पुण्यतिथि के तौर पर मनाया जाता है। उन्हें भारत के सर्वश्रेष्ठ आध्यात्मिक नेताओं और विद्वानों में से एक माना जाता है। विवेकानंद जी ने योग और वेदांत के दर्शन को पश्चिम देशों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हें 1893 में शिकागो में विश्व धर्म संसद में अपने भाषण के लिए जाना जाता है।स्वामी विवेकानंद जी भारत के आध्यात्मिक गुरु थे, जिन्होंने दुनिया भर को हिंदुत्व और आध्यात्म का पाठ पढ़ाया। स्वामी विवेकानंद जी ने कम उम्र में जो ज्ञान हासिल किया, उसके बाद वह युवाओं के लिए प्रेरणा बन गए।

उन्होंने इस धर्म संसद में अपने भाषण की शुरुआत अमेरिका के मेरे भाइयों और बहनों के साथ की थी।

स्वामी विवेकानंद जी का निधन मात्र 39 वर्ष की उम्र में 04 जुलाई, 1902 को हुआ। उनके अधिकतर भाषण युवाओं को संबोधित करते हुए होते थे। (साभार)

स्वामी विवेकानंद जी को शतशत नमन

राजेश नारायण श्रीवास्तव (एड.)

।। श्रीमद्भगवद्गीता ।।

जो होने वाला है, उसे चाहें या न चाहें, वह होगा ही; और जो नहीं होने वाला है, उसे चाहें या न चाहें, वह नहीं होगा 7 अतः अपनी मनचाही करके मनुष्य व्यर्थमें 6 बिना कारण 8 फँसता है और दुःख पाता है 7 6 4/23 8 कामना से 'कर्म' होते हैं, कामना के बढ़ने पर 'विकर्म' होते हैं और कामना का अत्यन्त अभाव होने से 'अकर्म' होता है 7 6 4/23 8 निष्काम भाव पूर्वक केवल लोकहितार्थ किये गये साधारण-से-साधारण कर्म भी परमात्माकी प्राप्ति कराने वाले हो जाते हैं 7 परन्तु सकाम भाव पूर्वक किये गये बड़े-से-बड़े कर्मों से भी परमात्मा की प्राप्ति नहीं होती 7 कारण कि उत्पत्ति-विनाशशील पदार्थों की कामना ही बाँधने वाली है ।

मुलताई-नागपुर हाईवे पर बस और कंटेनर में टक्कर

खिड़कियां तोड़कर यात्रियों को निकाला; 30 से ज्यादा घायल, कंटेनर चालक फरार

मुलताई। मुलताई-नागपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर प्रमंडल जोड़ के पास शुक्रवार सुबह 11.20 बजे खान ट्रैवल्स की बस और एक कंटेनर के बीच टक्कर हो गई। हादसे में बस में सवार 30 से अधिक यात्री घायल हो गए। यात्रियों की जान बचाने के लिए उन्हें खिड़कियां तोड़कर बाहर निकालना पड़ा। वहीं घटना के बाद कंटेनर चालक मौके से वाहन छोड़कर फरार हो गया।

हाईवे क्रॉस करते समय हादसा- घटना उस समय हुई जब मुलताई से बैतूल जा रही बस हाईवे क्रॉस कर रही थी। नागपुर की ओर से आ रहे कंटेनर ने बस को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बस 20 फीट दूर जाकर सड़क किनारे की रेलिंग में जा घुसी। कंटेनर 100 फीट तक फिसलता हुआ डिवाइडर पर चढ़ गया।

हादसे में कई यात्री सीटों से गिर पड़े। कुछ यात्री टूटे शीशों से घायल हुए। कुछ लोगों को बचाने के लिए खिड़कियां तोड़नी पड़ीं। आसपास के ग्रामीण और दुकानदारों ने घायलों को बाहर निकालने में मदद की।

कंटेनर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कंटेनर तेज गति से और लापरवाही से चलाया जा रहा था। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

मुलताई अस्पताल से बैतूल रेफर- सभी घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से मुलताई के शासकीय अस्पताल में एडमिट कराया गया है। अस्पताल में डॉक्टर और नर्सों की टीम तैनात की गई है। गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बैतूल रेफर किया जा रहा है।

गुरु पूर्णिमा पर्व 10 जुलाई को, गायन वादन एवं नृत्य से गुरु के प्रति आदर प्रकट करेंगे प्रतिष्ठित कलाकार

भोपाल। गुरु पूर्णिमा भारत की एक महान सांस्कृतिक परंपरा है, जो गुरु-शिष्य संबंध को आदर और श्रद्धा के साथ मनाने का पर्व है। इस अवसर पर गुरु की महानता के प्रति आदर प्रकट करने के उद्देश्य से संस्कृति विभाग द्वारा 10 जुलाई, 2025 को गुरु पूर्णिमा पर्व का आयोजन वृहद स्तर पर किया जा रहा है। संचालक, संस्कृति एन.पी. नामदेव ने बताया कि गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भोपाल सहित संस्कृति विभाग के प्रदेश के विभिन्न शहरों में स्थित संगीत महाविद्यालयों में एक साथ गायन-वादन एवं नृत्य केन्द्रित आयोजन होंगे। भोपाल में मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में 10 जुलाई, 2025 को सायं 7 बजे से गुरु पूर्णिमा पर्व का आयोजन होगा। इसमें सबसे पहले सितार-संतूर जुगलबंदी की प्रस्तुति होगी, जिसे उज्जैन की सुप्रसिद्ध संस्कृति-प्रकृति वाहने (वाहने सिस्टर्स) द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। इसके बाद गायन जुगलबंदी गुरु सुमिरन होगी, जिसे सुरुचिरा केदार, पुणे एवं सुआस्था गोस्वामी, वृंदावन द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। संचालक नामदेव ने बताया कि शासकीय संगीत महाविद्यालय, नरसिंहगढ़ में सुमधुमिता नकवी, भोपाल का गायन और सुपुलक पटवर्धन, उज्जैन का कथक समूह नृत्य की प्रस्तुति होगी। शासकीय संगीत महाविद्यालय, उज्जैन में रोहित - राहुल मिश्रा, बनारस का गायन और सुदुर्गा शर्मा, बैंगलुरु का वायोलिन वादन होगा। इसी क्रम में शासकीय संगीत महाविद्यालय, ग्वालियर में संजय सिंह, दिल्ली का गायन और सुभार्गवी शर्मा, इंदौर का एकल कथक नृत्य होगा। वहीं, शासकीय संगीत महाविद्यालय, खण्डवा में डॉ. ऋषि मिश्रा, दिल्ली का गायन और सुरेन्द्र स्वर्णकार, उज्जैन द्वारा बांसुरी वादन की प्रस्तुति दी जाएगी। इसी तरह शासकीय संगीत महाविद्यालय, मंदसौर में सुयोगिनी - सुदीप, ग्वालियर का गायन और विठ्ठल कुमार राजपुरा, इंदौर का पखावज वादन होगा। शासकीय संगीत महाविद्यालय, मैहर में डॉ. लवली शर्मा, खैरागढ़ का सितार वादन और मनोज पाटीदार, भोपाल का तबला एकल वादन होगा। शासकीय संगीत महाविद्यालय, इंदौर में यश देवले, ग्वालियर का शास्त्रीय गायन और सुनीलांगी कलंतरे, जबलपुर का कथक समूह नृत्य प्रस्तुति होगी। शासकीय संगीत महाविद्यालय, धार में विजय सप्रे, भोपाल का शास्त्रीय गायन और डॉ. वी. अनुराधा सिंह, भोपाल की कथक समूह नृत्य की प्रस्तुति होगी। सभी कार्यक्रमों में प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

भोपाल सहित संस्कृति विभाग के सभी शासकीय संगीत महाविद्यालयों में आयोजित होगा नृत्य-संगीत केन्द्रित कार्यक्रम

खाद्य विभाग की कार्यशाला में एसीएस खाद्य रश्मि अरुण शमी ने कहा-

पीडीएस को और बेहतर तथा पारदर्शी बनाने नीतिगत एवं तकनीकी सहायता जरूरी

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को नीतिगत एवं तकनीकी सहयोग से और अधिक बेहतर तथा पारदर्शी बनाकर देश में सबसे बेहतर खाद्यान वितरण करना हमारा ध्येय होना चाहिये। अपर मुख्य सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण रश्मि अरुण शमी ने यह बात खाद्य विभाग की दो दिवसीय कार्यशाला में कही। उन्होंने कहा कि कार्यशाला में निजी क्षेत्र की कम्पनियों के प्रतिनिधियों द्वारा दिये गये सुझावों पर भी विचार किया जायेगा। आयुक्त खाद्य श्री कर्मवीर शर्मा ने कहा कि कार्यशाला में हमें विभाग की समस्याओं पर मंथन कर उनका समाधान निकालना है। उन्होंने कहा कि आगे भी इस तरह की कार्यशालाएं आयोजित की जायेंगी। एमडी नागरिक आपूर्ति श्री अनुराग वर्मा ने भी विचार व्यक्त किये। कार्यशाला में अधिकारी-कर्मचारियों की कार्य-क्षमता में वृद्धि, नवाचार, चुनौतियों तथा विभागीय नियमों और कार्य-प्रणालियों की जानकारी दी गयी। मुख्य रूप से मिलिंग, भण्डारण, उपार्जन, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, ई-ऑफिस, ई-सीआर जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विषय-विशेषज्ञों ने जानकारी दी। आईटीसी एवं जोमेटो कम्पनियों के अधिकारियों ने कार्य-क्षमता व कार्य-कुशलता बढ़ाने के संबंध में प्रस्तुतिकरण दिया। कार्यशाला में खाद्य, नागरिक आपूर्ति निगम और मध्यप्रदेश वेयर-हाउसिंग एण्ड लॉजिस्टिक कॉर्पोरेशन के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए।

भोपाल। बारिश से खराब हुई सड़कों की मरम्मत का काम चल रहा है।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास का रीडिंग केन्द्र न्यू मार्केट में

भोपाल। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नई दिल्ली का विक्रय केन्द्र बीएसएनएल परिसर न्यू मार्केट टी.टी. नगर में खोला गया है। इस केन्द्र में रीडिंग लाउंज की व्यवस्था भी है। यह केन्द्र प्रातः 10:30 से शाम 6 बजे तक संचालित होता है। इस केन्द्र में हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत तथा ब्रेल लिपि से संबंधित पुस्तके उपलब्ध है। रीडर्स की मांग पर अन्य भाषाओं की पुस्तके भी उपलब्ध कराई जाती है। स्कूल शिक्षा विभाग ने इस आशय की जानकारी समस्त जिला शिक्षा अधिकारी को पत्र लिखकर दी है। जिला शिक्षा अधिकारियों से इस केन्द्र का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के लिये कहा गया है। इस केन्द्र में रीडर्स को 100 रूपये में और संस्थाओं को 500 रूपये में लाईफ टाईम की सदस्यता प्रदान करने की सुविधा है। उपभोक्ता को पुस्तक क्रय के संबंध में 20 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाती है। केन्द्र से 200 रूपये से अधिक पुस्तक खरीदने पर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास नई दिल्ली द्वारा स्वयं के व्यय से पाठक के पते पर पुस्तक भेजने की सुविधा भी है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका पदों के लिए 2.70 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त

आवेदन की अंतिम आज

भोपाल। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी सहायिका के रिक्त पदों की पूर्ति के लिये जारी की गई ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया को अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिल रही है। विभाग द्वारा 19 जून को जारी विज्ञापन के तहत कुल 19,504 पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है, जिसमें अब तक 2,70,152 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं।

भर्ती प्रक्रिया में दस संभागों से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के लिए 55,730 और आंगनवाड़ी सहायिका के लिए 2,14,422 आवेदन प्राप्त हुए हैं। आवेदन प्रक्रिया की अंतिम तिथि 4 जुलाई निर्धारित की गई है, जबकि भरे गए आवेदन में सुधार की अंतिम तिथि 7 जुलाई है। उल्लेखनीय है कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका के कुल 19 हज़ार 504 पदों की पूर्ति के लिए इंदौर संभाग से सबसे अधिक 47 हज़ार 116 आवेदन प्राप्त हुए हैं जिन में 38 हज़ार 601 सहायिका के पद और 8 हज़ार 515 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के पद के लिए आवेदन प्राप्त हुए है। जबलपुर संभाग से कुल 44 हजार 258 आवेदन में से 34 हजार 317 सहायिका के और 9 हजार 941 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के आवेदन प्राप्त हुए है। सागर संभाग से 33 हज़ार 513 में से सहायिकाओं के पद के लिए 27 हज़ार 857 और कार्यकर्ता के लिए 5 हज़ार 656 आवेदन आए है। भोपाल में कुल 28 हज़ार 850 आवेदन प्राप्त हुए है। इनमें सहायिका के पद के लिए 22 हजार 397 और कार्यकर्ता के लिए 6 हज़ार 453 आवेदन प्राप्त हुए है। इसी प्रकार रीवा से 28 हज़ार 519 कुल आवेदन प्राप्त हुए है, जिनमें 23 हज़ार 831 आवेदन सहायिका के और 4 हज़ार 688 आवेदन कार्यकर्ता के लिए प्राप्त हुए है। ग्वालियर संभाग के 28 हज़ार 413 आवेदनों में सहायिका के 22 हज़ार 73 और कार्यकर्ताओं के 6 हज़ार 340 आवेदन प्राप्त हुए है। उज्जैन संभाग से कुल 24 हजार 159 आवेदनों में से सहायिका के 18 हज़ार 711 और कार्यकर्ता के 5 हज़ार 448, चम्बल संभाग के कुल 14 हज़ार 829 आवेदनों में 12 हज़ार 343 सहायिका के और 2 हज़ार 486 आवेदन कार्यकर्ता के पद के लिए प्राप्त हुए है। इसके अतिरिक्त शहडोल संभाग से कुल 10 हज़ार 406 आवेदन प्राप्त हुए है, जिनमें 7 हज़ार 291 सहायिका और 3 हजार 115 कार्यकर्ता के पद के लिए प्राप्त हुए है। नर्मदापुरम से सहायिका के पद के लिए 7,001 और कार्यकर्ता के लिए 3088 कुल 10 हज़ार 89 आवेदन प्राप्त हुए है।

सरेराह हत्या करने वाला 30 हजार का इनामी कुख्यात बदमाश गिरफ्तार

भोपाल। जन्मदिन पार्टी में युवक की हत्या करने वाला कुख्यात बदमाश नसीम उर्फ बन्ने खां को भोपाल पुलिस ने बैतूल से गिरफ्तार किया है। कुख्यात बदमाश बन्ने खां पर हत्या के मामले में 30 हजार का इनाम घोषित था। पुलिस से भागने के चक्कर में उसके पैर में चोट लगी और पुलिस ने उसका इलाज भी कराया। इलाज होने के बाद उसे गिरफ्तार किया है। नसीम उर्फ बन्ने खां मूलतः शाजापुर जिले का रहने वाला है और वर्षों से भोपाल में परिवार के साथ रह रहा है। बन्ने खां के खिलाफ इस हत्या के साथ भोपाल, सीहोर और राजगढ़ में करीब 46 प्रकरण दर्ज हो चुके हैं। उसके खिलाफ कई बार इनाम घोषित हो चुका है। पुलिस हिरासत से भी वह भाग चुका है।

जानकारी के अनुसार 22 वर्षीय अमित 28 जून की दरमियानी रात एक दोस्त की जन्मदिन पार्टी में शामिल होने छोला थाने के लीलाधर कॉलोनी पहुंचा था। जन्मदिन पार्टी में राजा खटीक भी शामिल था। नसीम उर्फ बन्ने खां बदमाश राजा खटीक को ही मारने छह साथियों के साथ पहुंचा था। जैसे ही बन्ने खां के लीलाधर कॉलोनी पहुंचने की सूचना मिली,

राजा खटीक मौके से भाग गया और बन्ने खां ने अमित वर्मा को गोली मार दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार राजाखटीक और बन्ने खां दोनों लीलाधर कॉलोनी में ही रहते हैं। दोनों बदमाश हैं और अलग-अलग गैंग को संचालित करते हैं। बदमाश राजा खटीक हवाला कारोबार करने वालों के एजेंटों को लूटता है। राजा खटीक ने कुछ दिन पहले ही एक हवाला एजेंट से कुछ राशि लूटी थी, हालांकि हवाला कारोबारी अधिकांश मामलों में प्रकरण दर्ज नहीं कराते। इस हत्याकांड में आरोपी बन्ने खां, वसीम और राजा खटीक पहले एक साथ ही लूट की वारदात को अंजाम देते थे। राजा खटीक और वसीम के भाई नदीम के बीच लूट के पैसों को लेकर विवाद हुआ था। राजा ने नदीम के साथ मारपीट कर दी थी। इसी रंजिश का बदला लेने के लिए नसीम और उसके साथी राजा को मारने पहुंचे थे, लेकिन फायरिंग में अमित वर्मा को गोली लगी और उसकी हत्या हो गई।

पुलिस से बचने भागा तो टूट गया पैर

एडीसीपी जोन-4 मलकीत सिंह के अनुसार बदमाश बन्ने खां की घेराबंदी में भोपाल पुलिस की टीम बैतूल पहुंची थी। नसीम वहां एक रिश्तेदार के यहां छिपा था। पुलिस की टीमों ने जब घेराबंदी कर उसे पकड़ने पहुंची तो वह बचने के लिए भागने लगा। भागते समय शरीर अनबैलेंस हुआ और वह गिरा तो उसके एक पैर में फैक्चर आ गया है। प्राथमिक उपचार के बाद उसे भोपाल लाया गया और कोर्ट में पेश कर तीन दिन की रिमांड पर लिया गया है। आरोपी के अन्य साथियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि बन्ने खां की मां, प्रेमिका सहित चार आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। अभी कुछ आरोपी फरार हैं।

मुरैना में जमीनी विवाद में युवक को मारी गोली

बाएं हाथ में लगी, हालत गंभीर; सरकारी प्लॉट को लेकर थी रंजिश

मुरैना। मुरैना के जौरा कस्बे में गुरुवार रात जमीनी विवाद के चलते एक युवक को गोली मार दी गई। गंभीर रूप से घायल युवक को जौरा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल की पहचान रानू उर्फ रविंद्र सिंह गुर्जर (35) के रूप में हुई है, जो बुढ़ावली का रहने वाला है और वर्तमान में ब्लॉक पुरा, वार्ड क्रमांक 18 में रहता है।

रविंद्र सिंह ने पुलिस को बताया कि रात करीब 9 बजे वह अपने ताऊ के लड़के दल्लू मिस्त्री के घर खाना खाने जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे नरेंद्र गुर्जर, अनिल गुर्जर, बृजेश, रामवीर गुर्जर और कुबेर सिकरवार सहित कुछ अन्य लोगों ने उस पर हमला कर दिया।

बाएं हाथ में लगी गोली

आरोपियों ने उस पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं, जिसमें एक गोली उसके बाएं हाथ में लगी और वह वहीं गिर पड़ा। स्थानीय लोगों की मदद से घायल रविंद्र को तुरंत जौरा अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

सरकारी प्लॉट को लेकर था विवाद

पुलिस के अनुसार प्राथमिक जांच में सामने आया है कि रविंद्र सिंह और आरोपियों के बीच एक सरकारी प्लॉट को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। माना जा रहा है कि इसी रंजिश के चलते यह वारदात की गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने पीड़ित के बयान के आधार पर सभी नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या महाविद्यालय का दीक्षारंभ समारोह

नव-प्रवेशित छात्राओं और अभिभावकों का भारतीय परंपरानुसार किया स्वागत

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय भोपाल में 1 से 3 जुलाई तक आयोजित तीन दिवसीय दीक्षारम्भ कार्यक्रम समारोहपूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ दीप्ति श्रीवास्तव ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। नव-प्रवेषित छात्राओं एवं अभिभावकों का स्वागत, भारतीय परंपरानुसार तिलक लगाकर एवं पुष्पवर्षा से किया गया। इसके बाद प्राचार्य ने छात्राओं को संबोधित कर सभी संकायों के शैक्षणिक स्टॉफ का परिचय कराया और महाविद्यालय की सुविधाओं की जानकारी दी।

दीक्षारंभ के द्वितीय दिवस का शुभारम्भ एन.डी.आर.एफ. दल ने छात्राओं को आपदा प्रबंधन एवं सुरक्षा का प्रशिक्षण दिया। महाविद्यालय के पुस्तकालय, स्वशासी प्रकोष्ठ, एन. सी. सी., एन.एस.एस तथा महाविद्यालयीन छात्रावास की जानकारी दी गई। दीक्षारंभ के तीसरे दिन छात्राओं एवं अभिभावकों को महाविद्यालय परिसर का भ्रमण कराते हुये महाविद्यालय के भौतिक संसाधनों का परिचय कराया गया। इसके बाद महाविद्यालय के आईक्यूएसी ने महाविद्यालय में संचालित खेल-कूद, साहित्यिक, रचनात्मक, सांस्कृतिक एवं अकादमिक गतिविधियों की जानकारी दी। दीक्षारम्भ कार्यक्रम का समापन समारोह, अतिरिक्त संचालक डॉ. मथुराप्रसाद एवं महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष डॉ. भारती कुम्भारें सातनकर के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. दीप्ति श्रीवास्तव ने तीन दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम की गतिविधियों की जानकारी दी। अतिरिक्त संचालक डॉ. प्रसाद ने नव-प्रवेशित छात्राओं को महाविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सशक्त नारी बनने के लिए प्रोत्साहित किया एवं डॉ. सातनकर ने भी प्रेरक उद्बोधन में छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में कई बिंदुओं पर फैक्ट फाइंडिंग समिति करेगी जांच

भोपाल। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल द्वारा 2 जून 2025 को तीन सदस्य फैक्ट फाइंडिंग समिति बनाई गई थी जिसको एक माह बाद 2 जुलाई 2026 को रिपोर्ट देनी। यह समिति चेक करेगी की विश्वविद्यालय ने लगभग डेढ़ साल क्यों लगा दिए यूजीसी रेगुलेशन पीएचडी 2009 को राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल में लागू करने में, जबकि नियम अनुसार यूजीसी पीएचडी रेगुलेशन जिस दिन से यूजीसी द्वारा लगाया जाता है तब से ही प्रभावशील होता है यदि कोई विश्वविद्यालय यूजीसी पीएचडी रेगुलेशन का अध्यादेश नहीं बनता तो उसे पहले जीरो ईयर घोषित करना चाहिए, और अध्यादेश बन जाने के बाद ही पीएचडी में एडमिशन देना चाहिए , और भी कई बिंदुओं पर फैक्ट फाइंडिंग समिति जांच करेगी जिसमें प्रमुखता से इस बीच कितने शिक्षक रजिस्टर्ड हुए, यूजीसी पीएचडी रेगुलेशन 2009 के अनुसार पीएचडी नहीं करने का परीक्षण करेगी की विश्वविद्यालय ने यूजीसी रेगुलेशन 2009 के अंतर्गत क्यों नहीं कराई, और ऐसे शिक्षक जिन्होंने पीएचडी करने के उपरांत कोर्स वर्क ढाई वर्ष बाद की, जबकि कोर्स वर्क का औचित्य अभ्यर्थी का संबंधित विषय में ज्ञान जांचना एवं तत् पश्चात आरडीसी के माध्यम से पीएचडी के टॉपिक का निर्धारण करना होता है। यह ऐसी परीक्षा नहीं है जिसे की पीएचडी के कार्यकाल में कभी भी अथवा पीएचडीअवार्ड होने के बाद भी किया जा सके जैसा कि शोधार्थियों द्वारा किया गया है। उनके एनरोलमेंट नंबर किस तरह जनरेट हुए, किसने उन्हें अनुमति प्रदान की परीक्षा में बैठने के लिए, एवं अन्य बिंदु जो इस पत्र में उल्लेखित है द्य तकनीकी शिक्षक संघ मध्य प्रदेश लंबे समय से करियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत शिक्षकों के प्रमोशन जो यूजीसी रेगुलेशन 2009 के अंतर्गत पीएचडी उपाधि अर्जित नहीं की है उनके केस प्रमोशन रोके जाए, उनकी पीएचडी जांच के बाद ही प्रमोशन दिए जाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अंतरराष्ट्रीय कुश्ती खिलाड़ी प्रियांशी को दी शाबाशी वियतनाम में जीता गोल्ड मेडल

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से गुरुवार को समत्व भवन, मुख्यमंत्री निवास में उज्जैन की बिटिया, अंतर्राष्ट्रीय कुश्ती खिलाड़ी कु. प्रियांशी प्रजापति ने भेंट की। उल्लेखनीय है कि हाल ही में वियतनाम में सम्पन्न एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप में प्रियांशी ने अंडर- 23 श्रेणी में गोल्ड मैडल प्राप्त कर मध्यप्रदेश का नाम गौरवान्वित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रतिभाशाली बिटिया प्रियांशी को इस उपलब्धि के लिए शाबाशी और बधाई देते हुए कहा कि कु. प्रियांशी प्रजापति को 2 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार खेलों के विकास और खिलाड़ियों को पूरा प्रोत्साहन देने का कार्य कर रही है। इस क्रम में पूर्व में भी खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि के साथ ही विभिन्न सेवाओं में लेने का कार्य किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के उत्कृष्ट और राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले और पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को सदैव इसी तरह प्रोत्साहित किया जाएगा। इस अवसर पर श्री रवि सोलंकी, मप्र कुश्ती संघ के सह सचिव श्री विजय चौधरी, उज्जैन जिला कुश्ती संघ के अध्यक्ष श्री उमेश ठाकुर , सचिव श्री सुरेंद्र यादव, उपाध्यक्ष श्री मुकेश प्रजापति और श्री सावन बजाज उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को अनेक जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रियांशी का स्वागत किया। भोपाल के अलावा उज्जैन में भी प्रियांशी के स्वागत के लिए सभी लालायित हैं। जहां जिला प्रशासन उज्जैन, खेल विभाग एवं कुश्ती प्रेमियों ने भी प्रियांशी को बधाई दी है, वहीं खेल जगत में मध्यप्रदेश की खिलाड़ी की उपलब्धि से प्रसन्नता का वातावरण है। प्रियांशी को 11 वर्ष की उम्र से ही कुश्ती का शौक रहा है। प्रियांशी की बड़ी बहन नुपुर भी कुश्ती की राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी रही हैं। प्रियांशी ने विभिन्न स्पर्धाओं में पहले भी मैडल प्राप्त किए हैं। इनमें वर्ष 2018 में अंडर-15 श्रेणी में जापान में चौथा स्थान, वर्ष 2020 में सीनियर फेडरेशन कप पंजाब में गोल्ड मैडल, वर्ष 2022 में जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप बुल्गारिया में तीसरा स्थान, वर्ष 2023 जूनियर वर्ग में ही में जॉर्डन एशियाई चैंपियनशिप में तीसरा स्थान और वर्ष 2025 में सीनियर वर्ग में एशियाई चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल प्राप्त कर मध्यप्रदेश एवं राष्ट्र का नाम गौरवान्वित किया है। प्रियांशी आगामी 29 जुलाई को तुर्की में आयोजित होने वाली 53 किलो वर्ग में रैंकिंग सीनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में भाग लेने जाएंगी और भारतीय दल का प्रतिनिधित्व करेंगी। प्रियांशी अपने पिता रेसलर श्री मुकेश बाबूलाल प्रजापति के मार्गदर्शन को अपनी सफलता का श्रेय देती हैं।

मप्र जन अभियान परिषद का स्थापना दिवस आज

भोपाल। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद का स्थापना दिवस 4 जुलाई 2025 को संगच्छध्वम् संवदध्वम्-की भावना से स्वैच्छिक पर्व के रूप में संपूर्ण प्रदेश के जिला मुख्यालयों पर मनाया जायेगा। मुख्य आयोजन परिषद के राज्य कार्यालय श्यामला हिल्स पर होगा। स्वैच्छिक पर्व पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश का वाचन, परिषद द्वारा बनाई गई लघु फिल्मों का प्रदर्शन और स्वेच्छिकता शपथ के साथ स्वैच्छिकता के क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं का सम्मान होगा।

नगरीय क्षेत्रों में झुग्गी बस्तियों के विस्तार को नियंत्रित करने कार्य-योजना बनाई जाए, उद्यानों और नगर वनों के विकास को प्रोत्साहित किया जाए

भोपाल के बड़े तालाब के आसपास अवैध निर्माण का करवाएं सर्वेक्षण : मुख्यमंत्री

सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों के दृष्टिगत किफायती और सुविधाजनक आवास सुविधा विकसित हो

दीनदयाल रसोई योजना के प्रबंधन में सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं को जोड़ा जाए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की नगरीय विकास एवं आवास विभाग की समीक्षा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के नगरों में झुग्गी बस्तियों के विस्तार को नियंत्रित करने के उद्देश्य से, लोगों की सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों को देखते हुए किफायती और सुविधाजनक आवास सुविधा विकसित करने कार्य-योजना बनाई जाए। नगरीय क्षेत्र में पर्यावरण की बेहतरी के लिए उद्यानों को विकसित करना और विकास प्राधिकरण, हाउसिंग बोर्ड सहित सभी आवासीय परियोजनाओं में पौध-रोपण को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल के बड़े तालाब के आसपास अवैध निर्माण का सर्वेक्षण करवा कर उन पर कार्रवाई के लिए अभियान चलाया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नगरीय विकास एवं आवास विभाग की मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में हुई समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में शहरी क्षेत्रों में कॉलोनियों के विकास में देश के प्रतिष्ठित बिल्डर्स एंड कॉलोनाईजस को जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों के साथ औद्योगिक क्षेत्रों में होने वाली आकस्मिक घटनाओं पर नियंत्रण के लिए अग्निशमन सेवा का आधुनिकीकरण तत्काल किया जाए। अंतर्शहरी क्षेत्र में रेल सेवा के विस्तार के लिए नमो ट्रेन की योजना तैयार की जाए। जल्द ही इस पर केन्द्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से चर्चा कर मदद ली जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लाड़ली बहनों को प्राथमिकता के आधार पर आवास सुविधा उपलब्ध कराई जाए। प्रदेश में मीट-मछली के दुकानदारों को व्यवस्थित करने और उपयुक्त

स्थान उपलब्ध कराने के लिए नगरीय निकायों को शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने धार्मिक क्षेत्रों में दीनदयाल रसोई योजना के विस्तार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस कार्य में सरकारी मदद के साथ स्वंयसेवी संस्थाओं और निजी दानदाताओं की मदद ली जाए। शहरी क्षेत्रों में स्थानीय समुदाय के स्व-सहायता समूह तैयार कर उन्हें आधुनिक लॉण्ड्री शुरू करने के लिए वित्तीय सहायता और उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी एवं अन्य योजनाओं में तैयार किए गए आवासों के आधिपत्य बनने के साथ ही सौंपे जाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में स्वच्छ पर्यावरण एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। इसके लिए जरूरी है कि शहरी क्षेत्रों में आरक्षित भूमि चयनित कर नगर वन अधिक से अधिक विकसित किए जाएं और उनके रखरखाव की जिम्मेदारी भी तय की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभागीय बैठक में प्रमोशन प्रक्रिया की जानकारी भी ली। उन्होंने कहा कि अधिकारी-कर्मचारियों को तय समय-सीमा में प्रमोशन दिया जाए। इससे रिक्त होने वाले पदों पर अभी से भर्ती की प्रक्रिया की कार्य-योजना तैयार कर ली जाए। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि धार्मिक एवं पर्यटन शहरों के विकास में एकीकृत विकास की योजना तैयार की जा रही है। चित्रकूट नगर में 2800 करोड़ रूपए की कार्य-योजना तैयार की गई है, जिसमें नगरीय विकास विभाग द्वारा 800 करोड़ रूपए का विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में रीडेंसिफिकेशन परियोजनाओं की संभावना को देखते हुए हाऊसिंग बोर्ड को निर्देश दिए गए हैं।

बैठक में राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री संजय शुक्ला सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में शहरी क्षेत्रों की एक करोड़ 30 लाख लाड़ली बहनों को आर्थिक सहायता के साथ आवास दिए जाएंगे। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 1.0 में 8 लाख 55 हजार आवास बनकर तैयार हो गए हैं। इस योजना के दूसरे चरण में अब तक 4 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हो गए हैं। बैठक में संकल्प-पत्र के बिन्दुओं पर भी चर्चा की गई। बताया गया कि संकल्प बिन्दु के अनुसार वर्ष 2027 तक भोपाल और इंदौर मेट्रो लाईन का पूर्ण संचालन सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री नगरीय क्षेत्र अधोसंरचना निर्माण योजना में 1070 करोड़ रूपए की 1062 परियोजनाएं मंजूर हैं। बताया गया कि 183 नगरीय निकायों में महिलाओं के लिए 218 पिंक शौचालय संचालित हो रहे हैं। बैठक में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के मुद्दे पर चर्चा की गई। नगरीय क्षेत्रों में जल आपूर्ति और सीवरेज की 333 परियोजनाएं स्वीकृत हैं। इन पर करीब 11 हजार करोड़ रूपए की राशि मंजूर हुई है। ई-गवर्नेंस-ऑनलाइन नागरिक सेवाओं पर चर्चा करते हुए इसके विस्तार के संबंध में निर्देश दिए गए। बैठक में नगर तथा ग्राम निवेश की गतिविधियों पर भी चर्चा की गई।

जल गंगा संवर्धन अभियान

बैठक में शहरी क्षेत्रों में जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रगति की जानकारी दी गई। प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में 36 जल संरचनाओं के पुनर्जीवन का कार्य पूर्ण किया गया है और 38 हरित क्षेत्र विकसित किए गए हैं। विभिन्न नगरीय निकायों में 3963 रैनवॉटर हार्वेस्टिंग संरचनाएं निर्मित की गई है। इसी के साथ शहरी क्षेत्रों में एक्क्रिफायर मैनेजमेंट और गंदे पानी के शोधन के लिए 30 नालों की कार्ययोजना तैयार की गई।

प्रदेश में 3800 करोड़ रुपए के निवेश से फ्रोजन आलू उत्पाद इकाई का प्रस्ताव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मिले मैकेन फूड्स के पदाधिकारी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में उद्योग और रोजगार वर्ष 2025 औद्योगिक विकास की तीव्र संभावनाओं को साकार करने का वर्ष है। राज्य सरकार के प्रयासों से विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर निवेश प्रस्ताव मिल रहे हैं। निवेशकों को औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए भूमि सहित नीतियों के अंतर्गत सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास में मैकेन फूड्स के रीजनल प्रेसिडेंट पियरे डैनेट एवं प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों से चर्चा कर रहे थे। मैकेन फूड्स के श्री पियरे डैनेट ने बताया कि मध्यप्रदेश में किसानों को कांट्रेक्ट फार्मिंग के माध्यम से स्थायी बाजार बेहतर मूल्य और उन्नत कृषि तकनीक का लाभ दिलवाने के लिए 3800 करोड़ रुपए निवेश का प्रस्ताव दिया गया है। प्रथम चरण में 1800 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा और इस निवेश के फलस्वरूप 6300 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से रोजगार प्राप्त होगा। वैश्विक कंपनी मैकेन फूड्स भारत में मुख्य रूप से फ्रोजन आलू उत्पादों जैसे फ्रेंच फ्राइज, आलू टिक्की और स्नैक आइटम बनाती है। कनाडा में स्थापित यह कंपनी भारत में वर्ष 2007 से खाद्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। वर्तमान में गुजरात के मेहसाणा में कंपनी किसानों से आलू खरीद कर अत्याधुनिक उत्पादन इकाई के माध्यम से विभिन्न खाद्य उत्पाद निर्मित कर रही है। चर्चा के दौरान प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्धन राघवेन्द्र कुमार सिंह और आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े उपस्थित थे।

पुरस्कृत होंगे वन विभाग के कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी-कर्मचारी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश वन विभाग के वन्य जीव संरक्षण प्रयासों और उसमें प्राप्त हो रही सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वन विभाग में रहकर उत्कृष्ट कार्य और बहुआयामी प्रयास करने वाले अधिकारियों और अन्य अमले को पुरस्कृत किया जाएगा। हाल ही में स्टेट टाइगर फोर्स के कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों-कर्मचारियों के संयुक्त प्रयासों में सफलता का एक महत्वपूर्ण आयाम जुड़ा है। स्टेट टाइगर फोर्स ने न सिर्फ अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर के विरूद्ध की गई सटीक विवेचना की बल्कि न्यायालय के स्तर पर भी ठोस पक्ष रखने का कार्य किया, जिसके फलस्वरूप आरोपित व्यक्ति ताशी शेरपा को 5 वर्ष की सजा सुनाई गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की पहचान सघन और पर्यावरण हितैषी वन क्षेत्र और भारत की समृद्ध जैव विविधता के प्रतीक विभिन्न वन्य प्राणी हैं। मध्यप्रदेश वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी गंभीरता और परिश्रमपूर्वक प्रदेश की वन और वन्यप्राणी सम्पदा के संरक्षण का कार्य कर रहे हैं। स्टेट टाइगर फोर्स जहां भारत सरकार के निर्देश पर वन्य जीवों की तस्करी की रोकथाम के लिए निरंतर प्रयास किए हैं, वहीं आरोपित व्यक्तियों को सजा दिलवाने का लक्ष्य भी पूरा कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंटरपोल मुख्यालय ल्योन, फ्रांस से जारी पत्र में मध्यप्रदेश वन विभाग की स्टेट टाइगर फोर्स को अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर ताशी शेरपा के सफलतापूर्वक अभियोजन को पूरा करते हुए सजा दिलवाने के लिए बधाई दी है। स्टेट टाइगर फोर्स की कार्यवाही से अंतर्राज्यीय एवं अंतर्राष्ट्रीय गिरोह बेनकाब हुए हैं। जिन गिरोहों के अपराधी भारत सहित नेपाल, भूटान और चीन तक वन्य जीवों की तस्करी में लिप्त रहते हैं, उन पर नजर रखते हुए टाइगर फोर्स ने वैज्ञानिक ढंग से विवेचना का कार्य किया है।

पौधरोपण में आमजनों की भी सहभागिता सुनिश्चित की जाय : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

रीवा शहर में एक लाख पौधे लगाये जायेंगे, पौधरोपण की तैयारियों की समीक्षा की

भोपाल । उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने राजनिवास सर्किट हाउस रीवा में वृहद वृक्षारोपण की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि रीवा को हराभरा बनाने के लिये चयनित स्थलों में एक लाख पौधे लगाये जायेंगे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने वृक्षारोपण से पूर्व की सभी तैयारियाँ पूर्ण करने तथा आमजनों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि चयनित किये गये स्थलों में व्यापक पैमाने पर छायादार, फलदार औषधीय पौधों का वृक्षारोपण करते हुए सड़क के किनारे वृक्षारोपण करें तथा ही पूर्व के रोपित पौधों के रिक्त भूमि में भी वृक्षारोपण कर गैप फिलिंग करें।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि व्यापक पैमाने पर किये गये वृक्षारोपण से पर्यावरण संतुलित होगा तथा सड़क के किनारे किये गये वृक्षारोपण से शहर की सुंदरता बढ़ेगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि वृक्षारोपण सामाजिक दायित्व के साथ पुण्य का भी कार्य है। इससे आमजनों, व्यापारी संगठनों, स्वयंसेवी संगठनों सहित अन्य लोगों को भी जोड़े। उन्होंने रोपित पौधों की पूर्ण सुरक्षा के इंतजाम किये जाने के भी निर्देश दिये। बताया गया कि पशु चिकित्सा महाविद्यालय में 40 हजार, लक्ष्मणबाग की भूमि में 20 हजार, पीटीएस एवं इंजीनियरिंग कालेज कैम्पस में 15-15 हजार तथा रतहरा कैनाल ट्रैक में दस हजार वृक्षारोपण की कार्ययोजना बनाई गयी है। इसके साथ ही शहर की सड़कों के किनारे भी वृक्षारोपण किया जायेगा। अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती नीता कोल, कलेक्टर रीवा श्रीमती प्रतिभा पाल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री ने माँ शारदा के किए दर्शन: उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मैहर के अल्पप्रवास के दौरान त्रिकूट पर्वत पर विराजी माँ शारदा के दर्शन कर विधिवत पूजन, अर्चन किया और प्रदेशवासियों की सुख-शांति, समृद्धि व आरोग्य की मंगलकामना की।

उप मुख्यमंत्री श्रीमद्भागवत कथा में हुए शामिल गोमाता की सेवा और पूजा-अर्चना की

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल लक्ष्मणबाग, रीवा में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा में शामिल हुए। उन्होंने कथा का श्रवण किया और कथा व्यास पंडित श्री बाला व्यंकटेश शास्त्री से आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने लक्ष्मणबाग गौशाला में गौवंशों को फल खिलाकर गौ सेवा की तथा मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना की।

इंदौर का बीआरटीएस हट नहीं पाया, लोग खुद बस लेन में ले जाने लगे वाहन

भोपाल। इंदौर नगर निगम बीआरटीएस को हटाने के काम शुरू नहीं कर पाया। चार माह पहले दिखावे के लिए 400 मीटर में रैलिंग हटाए गए थे। अब नगर निगम इस कॉरिडोर को तोड़ने के लिए तीसरी बार टेंडर निकाल रहा है, क्योंकि पहले दो बार कोई ठेकेदार आगे नहीं आया था। देश के पहले बीआरटीएस प्रोजेक्ट की बस लेन में अब मिक्स लेन ट्रैफिक चलने लगा है। चार माह पहले इसे हटाने का फैसला सरकार ने लिया, लेकिन टेंडर मंजूर नहीं होने के चक्कर में निगम इसे हटा नहीं पा रहा है। इसके बाद शहरवासियों का सब्र जवाब दे गया और उन्होंने खुद ही बस लेन का उपयोग वाहनों के लिए शुरू कर दिया। अब बस लेन में सिटी बसों के साथ मिक्स ट्रैफिक भी नजर आ रहा है। बस लेन का सबसे ज्यादा उपयोग एलआईजी से गीताभवन के बीच हो रहा है,क्योंकि यहां मोटर व्हीकल लेन संकरी है। नगर निगम बीआरटीएस को हटाने के काम शुरू नहीं कर पाया। चार माह पहले दिखावे के लिए 400 मीटर में रैलिंग हटाए गए थे। अब नगर निगम इस कॉरिडोर को तोड़ने के लिए तीसरी बार टेंडर निकाल रहा है, क्योंकि पहले दो बार कोई ठेकेदार आगे नहीं आया था। सुबह और शाम के समय बीआरटीएस पर ट्रैफिक का दबाव ज्यादा रहता है। इस कारण अब वाहन चालक ही बस लेन का उपयोग करने लगे है।

नीति आयोग और जीआईजेड इंडिया की संयुक्त कार्यशाला संपन्न

निजी क्षेत्र की सहभागिता से सतत विकास की रफ्तार तेज करेगा मध्यप्रदेश

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री ऋषि गर्ग ने कहा है कि सतत विकास केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें निजी क्षेत्र, नागरिक समाज और आमजन की साझेदारी अनिवार्य है। उन्होंने 'विकसित मध्यप्रदेश ञ्च2047' दृष्टिपत्र की रूपरेखा साझा करते हुए बताया कि राज्य सरकार की रणनीति किस प्रकार सतत विकास लक्ष्यों के साथ सुसंगत है। श्री गर्ग प्राइवेट सेक्टर एंगेजमेंट इन एसीलेरेटिंग एसडीजी इंप्लीमेंटशन इन मध्यप्रदेश विषय पर गुरूवार को भोपाल में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग और जीआईजेड इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुई। यह कार्यशाला इंडो-जर्मन ग्रीन एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट पार्टनरशिप (जीएसडीपी) परियोजना के अंतर्गत आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य सतत विकास लक्ष्यों (एडीजीएस) को स्थानीय स्तर पर तेज़ी से लागू करना, निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना और राज्य की विकास योजनाओं को अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से जोड़ना था।

जीआईजेड इंडिया की परियोजना प्रमुख सुश्री हेनरीके पाईशर्ट ने इंडो-जर्मन सहयोग की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जीआईजेड राज्य सरकार को योजना निर्माण, क्षमता संवर्धन, सहभागिता और निगरानी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग कर रहा है। उद्घाटन सत्र में यूएनडीपी की रेजिडेंट रिप्रेजेंटेटिव सुश्री एंजेला लुसीगी ने वैश्विक एसडीजी प्रगति की स्थिति पर चिंता जताते हुए बताया कि वर्तमान में मात्र 12ब लक्ष्य ही ट्रैक पर हैं। उन्होंने भारत और विशेष रूप से मध्यप्रदेश की प्रशंसा की, जहां गरीबी उन्मूलन, स्वच्छ ऊर्जा और जल सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एमपीएसआरएलएम) की सीईओ सुश्री हर्षिका सिंह ने 'लखपति दीदी' योजना सहित अन्य नवाचारों की जानकारी दी, जो निजी क्षेत्र के साथ संभावित सहयोग के नए अवसर खोलते हैं, विशेषकर जलवायु-अनुरूप कृषि, वेस्ट मैनेजमेंट और कार्बन क्रेडिट जैसे क्षेत्रों में विशेष उपलब्धि हासिल की है।

इस अवसर पर इंडो-जर्मन जीएसडीपी परियोजना का औपचारिक शुभारंभ भी किया गया। नीति आयोग के वरिष्ठ सलाहकार श्री राजीब कुमार सेन ने एसडीजी इंडिया इंडेक्स, बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमडीपीआई), और राष्ट्रीय संकेतक फ्रेमवर्क पर विस्तृत जानकारी दी। राज्य पर केंद्रित सत्र में श्री ऋषि गर्ग ने बताया कि 'विकसित मध्यप्रदेश ञ्च2047' के तहत राज्य की योजना में 22 प्रमुख मिशन और 300 से ज्यादा एक्शन पॉइंट्स शामिल हैं, जिनमें से 200 से अधिक लक्ष्यों को आगामी पांच वर्षों में पूरा किया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि पंचायत स्तर पर 22 हजार 519 ग्राम पंचायतों को 9 विषयों पर प्रशिक्षित किया गया है।

मेपकास्ट की गुणवत्ता आश्वासन प्रयोगशाला में हुआ इंटर्नशिप सह प्रशिक्षण कार्यक्रम

भोपाल। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मेपकास्ट) की गुणवत्ता आश्वासन प्रयोगशाला द्वारा जून माह में ÷हेण्ड ऑन ट्रेनिंग ऑन स्पेक्ट्रॉसकॉपी मेथड (एएएस, यूवी एण्ड एफटीआईआर) विषय पर इंटर्नशिप सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मंदसौर यूनिवर्सिटी के फार्मेसी विभाग के बी.फार्मा अंतिम वर्ष के 30 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को पेयजल गुणवत्ता परीक्षण की विधियों के साथ-साथ यूवी स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, एटॉमिक अब्सॉर्प्शन स्पेक्ट्रोस्कोपी तथा एफटीआईआर जैसे अत्याधुनिक उपकरणों पर सैद्धांतिक और प्रायोगिक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों ने उपकरणों की कार्यप्रणाली, उपयोगिता और नवाचार की बारीकियों को समझा। इसके अतिरिक्त, प्रतिभागियों को शैक्षणिक भ्रमण के लिए राज्य लघु वनोपज, बरखेड़ा पठानी, भोपाल ले जाया गया। प्रशिक्षण के समापन पर परिषद के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने फार्मेसी क्षेत्र में उभरते आयामों पर प्रकाश डाला और आधुनिक तकनीकी से निरंतर जुड़े रहने की सलाह दी। उन्होंने प्रशिक्षण पूरा करने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिये। इस अवसर पर परिषद के कार्यकारी संचालक डॉ. विवेक कटारे, गुणवत्ता आश्वासन प्रयोगशाला के प्रभारी सहित प्रयोगशाला का संपूर्ण अमला उपस्थित रहा।

7 सरकारी 11 निजी आयुर्वेद कॉलेजों को मिली मान्यता

16 कॉलेजों की मान्यता पर निर्णय होना बाकी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

केंद्रीय आयुष मंत्रालय और नेशनल कमीशन फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन नई दिल्ली ने सत्र 2025-26 के लिए मध्यप्रदेश के 18 आयुर्वेद मेडिकल कॉलेजों को मान्यता दी है। इनमें भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, रीवा, उज्जैन, इंदौर और बुरहानपुर के 7 शासकीय आयुर्वेद कॉलेज और 11 निजी आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज शामिल हैं। हृष्ठढ्ढरूने देश में दूसरे नंबर पर मध्यप्रदेश में सबसे ज्यादा आयुर्वेद कॉलेजों को मान्यता दी है। हालांकि, प्रदेश के 16 अन्य कॉलेजों सहित देशभर के 482 आयुर्वेद कॉलेजों की मान्यता पर निर्णय होना बाकी है।

भोपाल के कॉलेजों की सीटें

भोपाल के पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद कॉलेज को 75 यूजी और 74 पीजी सीटें मिली हैं। वहीं, भोपाल के स्कूल ऑफ आयुर्वेद साइंस, सरदार अजीत सिंह स्मृति आयुर्वेद कॉलेज, रामकृष्ण कॉलेज ऑफ आयुर्वेद और मानसरोवर आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज को 100-100 यूजी सीटों पर मान्यता दी गई है।

प्रदेश में यूजी की लगभग 3000 सीटें

आयुष मेडिकल एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. राकेश पाण्डेय ने बताया कि प्रदेश सहित देशभर के सभी आयुर्वेद कॉलेजों में प्रवेश नीट 2025-26 के परिणामों के आधार पर ही होंगे। मध्यप्रदेश में यूजी की लगभग 3000 सीटों सहित देशभर के 598 आयुर्वेद मेडिकल कॉलेजों में 42 हजार से अधिक सीटें हैं। पाण्डेय ने बताया कि मध्यप्रदेश के अलावा, देशभर में जिन राज्यों के कॉलेजों को मान्यता मिली है, उनमें असम का 1, छत्तीसगढ़ 3, गुजरात 3, हरियाणा 2, हिमाचल 1, कर्नाटक 13, केरल 1, महाराष्ट्र 33, ओडिशा 4, पांडिचेरी 1, पंजाब 4, तेलंगाना 1, उत्तर प्रदेश 23, उत्तराखंड 7 और पश्चिम बंगाल का 1 कॉलेज शामिल है।

शेष कॉलेजों की मान्यता पर शीघ्र निर्णय लेने की अपील

आयुष मेडिकल एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. राकेश पाण्डेय ने केंद्रीय आयुष मंत्रालय और हृष्ठढ्ढरूसे शेष कॉलेजों की मान्यता पर शीघ्र निर्णय लेने की अपील की है। जिससे नीट आयुष काउंसलिंग समय पर शुरू हो सकें और छात्रों को असुविधा न हो।

संपादकीय

क्या यह देश की राजभाषा हिंदी की पिटाई की गई है?

महाराष्ट्र में राज ठाकरे की पार्टी के समर्थकों ने एक दुकानदार को थप्पड़ों से खूब पीटा। कारण सिर्फ यह था कि दुकानदार मराठी भाषा में बोल नहीं पाया। यह दुकानदार की ही नहीं, बल्कि देश की राजभाषा हिंदी की पिटाई की गई है। ऐसे असंख्य मामले तमिलनाडु में भी सामने आए हैं, जहां हिंदी भाषियों को लतियाया गया है। मुंबई में राजनीतिक रसूखदार उत्तरी भारत के लोगों को बार-बार खदेड़ते रहे हैं, लिहाजा यह एक संवेदनशील मुद्दा बन गया है। दरअसल केरल में नंबूदरीपाद से लेकर तमिलनाडु में पेरियार के हिंदी-विरोधी आंदोलन तक हिंदी लगातार पिटती रही है। उस पर राजनीतिक आरोप चस्पा किए जाते रहे हैं कि यह साम्राज्यवाद की भाषा है। संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल अन्य भाषाओं को खा जाएगी। अनुच्छेद 351 में केंद्र सरकार को हिंदी भाषा के विकास और प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि यह भारत की सामासिक संस्कृति के सभी तत्त्वों को अभिव्यक्त करने का माध्यम बन सके। देश हर 14 सितंबर को 'हिंदी दिवस' मनाता है, बेशक हमें ऐसे आयोजन और ऐसी व्यवस्था 'रस्मी' लगते रहे हैं। यकीनन हिंदी देश के बहुसंख्यक वर्ग की भाषा है। बंगाल के प्रतिष्ठित, विख्यात लेखक शरत चंद्र और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के उपन्यास हिंदी के प्रकाशकों ने खूब छापे हैं। देश में उनका एक निश्चित पाठक वर्ग भी है। भारत के सर्वप्रथम नोबेल पुरस्कार विजेता साहित्यकार हैं रवींद्र नाथ टैगोर। उनकी 'गीतांजलि' का अनुवाद भी हिंदी में किया गया, जो आज तक हिंदी पाठकों के बीच बिक रहा है। सवाल है कि देश को भाषायी आधार पर क्यों बांटा जा रहा है? यदि महाराष्ट्र में किसी हिंदी-भाषी दुकानदार को पीटा जाता है अथवा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मद्देनजर 'त्रिभाषा फॉर्मूले' में भी हिंदी का स्थान छीना गया है, तो यह सरासर संविधान का उल्लंघन है, लिहाजा आपराधिक भी है। यह ठाकरे बंधुओं की क्षुद्र राजनीति हो सकती है, क्योंकि बीएमसी के चुनाव बहुत करीब हैं। राज ठाकरे के सियासी गुंडे तो लंबे अंतराल से महाराष्ट्र में हिंदी भाषियों को पीटते रहे हैं, लेकिन मराठी मानुष भी उस पार्टी को वोट नहीं देते, लिहाजा उसका एक भी विधायक सदन में चुन कर नहीं आ पाया है।

दलाई लामा के चयन पर चीन का साजिशपूर्ण हस्तक्षेप

ललित गर्ग

तिब्बत के आध्यात्मिक नेता एवं वर्तमान 14वें दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो की उत्तराधिकार प्रक्रिया न केवल बौद्ध धर्म और तिब्बत की संस्कृति से जुड़ा विषय है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय राजनीति, मानवाधिकार और भारत-चीन संबंधों के संदर्भ में भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। चीन द्वारा इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का प्रयास न केवल धार्मिक स्वतंत्रता का हनन है, बल्कि यह वैश्विक जनमत की भी अवहेलना है। इन स्थितियों में उत्तराधिकार के मसले पर भारत की भूमिका एक निर्णायक मार्गदर्शक के रूप में उभरती है और इसे दृष्टि में रखते हुए भारत ने दलाई लामा का पक्ष लिया है। ऐसा करने में कुछ भी अप्रत्याशित नहीं हैं। भारत शुरू से तिब्बतियों के अधिकार, उनके हितों और उनकी परंपराओं व मूल्यों के समर्थन में खड़ा रहा है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का बयान चीन के लिए यह संदेश भी है कि इस संवेदनशील मसले पर उसकी मनमानी नहीं चलेगी।

चीन, दलाई लामा के उत्तराधिकारी के चयन में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहा है, यह दावा करते हुए कि यह धार्मिक और ऐतिहासिक प्रक्रिया का हिस्सा है। हालांकि, दलाई लामा और तिब्बती समुदाय का कहना है कि यह अधिकार केवल उनके पास है और चीन का हस्तक्षेप धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन है। चीन, 'स्वर्ण कलश' प्रणाली का उपयोग करके अपने पसंदीदा उम्मीदवार को स्थापित करना चाहता है। चीन का कहना है कि दलाई लामा का उत्तराधिकारी चुनने का अधिकार उसे 'स्वर्ण कलश' प्रणाली के माध्यम से है, जो 1793 में किंग राजवंश के समय से चली आ रही है। इस प्रणाली में, संभावित उत्तराधिकारियों के नाम एक कलश में डाले जाते हैं और फिर एक नाम निकाला जाता है।

दलाई लामा केवल तिब्बत के धार्मिक नेता नहीं हैं, वे तिब्बती अस्मिता, स्वतंत्रता और आत्म-सम्मान के प्रतीक हैं। वर्तमान 14वें दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो, 1959 में चीन की दमनकारी नीतियों के कारण तिब्बत छोड़कर भारत आए और धर्मशाला में निर्वासित तिब्बती सरकार की स्थापना हुई। भारत ने न केवल उन्हें शरण दी, बल्कि एक शांतिपूर्ण संघर्ष के पथप्रदर्शक के रूप में वैश्विक स्तर पर उनके विचारों को मंच भी प्रदान किया। वर्तमान दलाई लामा ने इस पद के लिए अगले शख्स को चुनने की सारी जिम्मेदारी गाडेन फोडरंग ट्रस्ट को दे दी है। उन्होंने कहा है कि इस मामले में किसी और को हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। उनका इशारा चीन की ओर था। रिजिजू ने भी इस बात का समर्थन किया है। वहीं, चीन ने इस मसले में साजिशपूर्ण हस्तक्षेप करते हुए कहा है कि उत्तराधिकारी का चयन चीनी मान्यताओं के अनुसार और पेइचिंग की मंजूरी से होना चाहिए। चीन दलाई लामा की उत्तराधिकार प्रक्रिया पर नियंत्रण चाहता है ताकि तिब्बती जनता को अपने ही धार्मिक नेता से अलग किया जा सके। 2007 में चीनी सरकार ने एक 'धार्मिक मामलों पर नियंत्रण कानून' लागू किया जिसके अंतर्गत दलाई लामा जैसे धार्मिक नेताओं की नियुक्ति भी राज्य की अनुमति से ही संभव बताई गई। यह न केवल बौद्ध धर्म के सिद्धांतों के विरुद्ध है, बल्कि यह तिब्बती जनता की आस्था और पहचान का गला घोंटने जैसा है।

1959 में जब दलाई लामा को कम्युनिस्ट सरकार के दमन के चलते भारत में शरण लेनी पड़ी थी, तब से हालात बिल्कुल बदल गए हैं- चीन बेहद ताकतवर हो चुका है और तिब्बत कमजोर। इसके बाद भी अगर तिब्बत का मसला जिंदा है, तो वजह हैं दलाई लामा। चीन इसे समझता है और इसी वजह से इस पद पर अपने प्रभाव वाले किसी शख्स को बैठाना चाहता है। चीन की योजना यह है कि जब वर्तमान दलाई लामा का देहांत हो, तो वह अपनी पसंद का एक 'दलाई लामा' घोषित करे, जिसे वैश्विक समुदाय भले ही स्वीकार न करे, लेकिन चीन उसकी पहचान को जबरन वैधता प्रदान करे। यह एक ÷राजनीतिक कठपुतली÷ खड़ी करने जैसा है, जिससे तिब्बत पर उसका शासन वैचारिक रूप से मजबूत हो सके। लेकिन भारत, जो दलाई लामा और तिब्बती निर्वासित समुदाय का स्वागत करता रहा है, अब उस नाजुक मोड़ पर है जहाँ केवल नैतिक समर्थन पर्याप्त नहीं होगा। चीन की विस्तारवादी नीति और आक्रामक कूटनीति को देखते हुए भारत को अपनी रणनीतिक स्थिति स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करनी होगी।

चीन ने तिब्बत की पहचान को मिटाने की हर मुमकिन कोशिश कर ली है। दलाई लामा के पद पर दावा ऐसी ही एक और कोशिश है। उसकी वजह से यह मामला धर्म से आगे बढ़कर वैश्विक राजनीति का रूप ले चुका है, जिसका असर भारत और उन तमाम जगहों पर पड़ेगा, जहां तिब्बत के लोगों ने शरण ली है। भारत पर तो चीन लंबे समय से दबाव डालता रहा है कि वह दलाई लामा को उसे सौंप दे। चीन और तिब्बत की लड़ाई भारतीय भूमि पर दशकों से चल रही है और नई दिल्ली-पेइचिंग के बीच तनाव का एक बड़ा कारण बनती रही है। दलाई लामा की घोषणा के अनुसार, उनका उत्तराधिकारी तिब्बत के बाहर का भी हो सकता है- अनुमान है कि भारत में मौजूद अनुयायियों में से कोई एक, तो यह तनाव और बढ़ सकता है। लेकिन, इसमें भारत के लिए मौका भी है। वह चीन पर कूटनीतिक दबाव डाल सकता है, जो पहलगाम जैसी घटना में भी पाकिस्तान के साथ खड़ा रहा और बॉर्डर से लेकर व्यापार तक, हर जगह राह में रोड़े अटकाने में लगा है।

धर्मशाला, जहाँ वर्तमान दलाई लामा रहते हैं, अब विश्व स्तर पर तिब्बती संस्कृति एवं बौद्ध परंपराओं का केंद्र बन गया है। भारत को इस केंद्र को आधिकारिक मान्यता देनी चाहिए और संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर इस धार्मिक स्वतंत्रता के प्रश्न को उठाना चाहिए। अब जबकि दलाई लामा स्वयं कह चुके हैं कि उनके उत्तराधिकारी का चयन भारत में हो सकता है तो भारत सरकार को इस पर एक स्पष्ट नीति बनानी चाहिए कि वह चीन द्वारा घोषित किसी भी 'नकली' दलाई लामा या अनुचित हस्तक्षेप को मान्यता नहीं देगा। भारत को अमेरिका, जापान, यूरोपीय संघ जैसे लोकतांत्रिक देशों के साथ समन्वय स्थापित करके इस विषय पर वैश्विक समर्थन, कूटनीतिक दबाव और अंतरराष्ट्रीय समन्वय तैयार करना चाहिए। अमेरिका भी पहले ही कह चुका है कि दलाई लामा का उत्तराधिकारी केवल तिब्बती परंपराओं के अनुसार चुना जाएगा। अमेरिका में तिब्बती बौद्धों की धार्मिक स्वायत्तता को लेकर डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी दोनों ही मुखर रही हैं। इतना ही नहीं अमेरिकी सरकार अगले दलाई लामा के चयन में चीन के दखल को भी अमान्य करार देती आई है।

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक माओत्से तुंग की कमान में चीनी सेना लंबे समय तक तिब्बत पर कब्जे की कोशिश में जुटी रही। इसके खिलाफ जब दलाई लामा के नेतृत्व में तिब्बती बौद्धों ने आवाज उठाई तो चीनी सेना ने इसे बर्बरता से कुचल दिया।

श्रीराम का काल: पौराणिक, ज्योतिषीय और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से एक विमर्श

डॉ बिट्टो जोशी

भारतीय संस्कृति और इतिहास में श्रीराम का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे केवल धार्मिक आस्था के केंद्र नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता के आदर्श, मर्यादा और नैतिकता के प्रतीक भी हैं। उनके जीवन और काल को लेकर सदियों से विमर्श चलता आ रहा है- क्या वे ऐतिहासिक पात्र थे, उनका काल कब था, और रामायण में वर्णित घटनाएं कितनी प्राचीन हैं..? भारतीय काल गणना, पौराणिक ग्रंथ, खगोलीय गणनाएं और आधुनिक वैज्ञानिक शोध- सभी मिलकर इस प्रश्न को और रोचक बना देते हैं।

÷भारतीय कालगणना में रामायण काल की स्थिति÷ भारतीय कालगणना के अनुसार, सृष्टि को लगभग 19,60,85,3121 वर्ष हो चुके हैं। वर्तमान में वैवस्वत मन्वंतर की 28वीं चतुर्युगी का कलियुग चल रहा है। एक चतुर्युगी में सतयुग (17,28,000 वर्ष), त्रेतायुग (12,96,000 वर्ष), द्वापरयुग (8,64,000 वर्ष) और कलियुग (4,32,000 वर्ष) आते हैं।

शास्त्रों के अनुसार महाभारत का युद्ध द्वापरयुग के अंत में, आज से लगभग 5,500 वर्ष पूर्व हुआ था। श्रीराम का जन्म त्रेतायुग के अंत में हुआ था, यानी द्वापरयुग (8,64,000 वर्ष) और कलियुग (लगभग 5,200 वर्ष) जोड़ दें, तो श्रीराम का काल आज से लगभग 8,70,000 से 9,00,000 वर्ष पूर्व माना जाता है। कई संतों और पौराणिक ग्रंथों में यह काल और भी अधिक- पौने दो करोड़ वर्ष पूर्व तक जाता है।

पौराणिक और ज्योतिषीय प्रमाण: वाल्मीकि रामायण में श्रीराम के जन्म के समय की ज्योतिषीय स्थिति का उल्लेख है, जिसे आधुनिक सॉफ्टवेयर (जैसे 'प्लेनेटेरियम गोल्ड') से सत्यापित करने के प्रयास हुए हैं। वराहमिहिर और अन्य ज्योतिषाचार्यों ने सप्तऋषि चक्र, नक्षत्र गणना और अन्य खगोलीय घटनाओं के आधार पर भी रामायण काल की पुष्टि की है।

कुछ शोधकर्ताओं के अनुसार, श्रीराम का जन्म 5114 ईसा पूर्व, 10 जनवरी को हुआ था, जब ग्रह और नक्षत्रों की स्थिति रामायण में वर्णित स्थिति से मेल खाती है। एक अन्य मत के अनुसार, उनका जन्म 7323 ईसा पूर्व हुआ था।

पुराणों और ज्योतिष में युगों की गणना के अलग-अलग तरीके (लाखों वर्ष, 5 वर्ष, 1250 वर्ष) मिलते हैं, जिससे श्रीराम के काल पर अलग-अलग मत बनते हैं।

÷वैज्ञानिक और पुरातात्विक दृष्टिकोण: रामायण में वर्णित सफेद चार दाँतों वाले हाथी के जीवाश्म भारत में मिले हैं, जिनकी उम्र 10 लाख से 50 लाख वर्ष के बीच है। इससे कुछ विद्वान रामायण काल को वैज्ञानिक दृष्टि से भी लाखों वर्ष पुराना मानते हैं।

रामायण में वर्णित ताँबे के तीर, टेराकोटा के बर्तन, आभूषण आदि की कार्बन डेटिंग से वे 7,000 वर्ष पुराने पाए गए हैं, जिससे रामायण की ऐतिहासिकता को बल मिलता है।

अयोध्या में खुदाई, टेराकोटा मूर्तियां, प्राचीन स्तंभ, और अन्य अवशेष भी रामायण की ऐतिहासिकता की ओर संकेत करते हैं। रामायण में वर्णित स्थानों- अयोध्या, चित्रकूट, पंचवटी, लंका आदि–की आधुनिक भौगोलिक स्थिति और वहां मिले पुरातात्विक अवशेषों का भी उल्लेख किया जा सकता है।डॉ. पद्माकर वर्तक ने हिमालय और विंध्याचल की ऊँचाई के अंतर के आधार पर भी रामायण काल का अनुमान लगाया है। उनके अनुसार, हिमालय की ऊँचाई हर 100 साल में 3 फीट बढ़ती है, जिससे अनुमानित समय लगभग 8 लाख वर्ष पूर्व आता है।

रामसेतु के निर्माण को लेकर भी कई वैज्ञानिक अध्ययन हुए हैं, जिन्होंने इसके अस्तित्व और निर्माण प्रक्रिया को समझने में मदद की है।

पुण्यतिथि पर विशेष

भारतीय राष्ट्रवाद के जागरण कर्ता स्वामी विवेकानंद

सुरेन्द्र शर्मा

हे निर्भय चरित्र धैर्य रखो ,उत्साहित हो गर्व करो कि तुम एक भारतीय हो और गर्व से उद्घोष करो कि मैं एक भारतीय हूं ,हर भारतीय मेरा भाई है भारत मेरा जीवन है भारत का भला मेरा भला है। आओ सभी मिलकर परिश्रम करें मेरे भाइयों यह कोई सोने का समय नहीं है हमारे कार्य पर निर्भर है भविष्य में आने वाला भारत ।

वह हमारी मातृभूमि हमारे लिये तैयार खड़ी है वह तो केवल सो रही है ।उठो और जागो और देखो उसे बैठा अपने सनातन सिंहासन पर पुनरुत्थित ,पुनर्जीवित पहले से अधिक गौरवशाली हमारी मातृभूमि।

देशवासियों के अंदर राष्ट्रवाद की इस प्रखर ज्वाला को प्रज्ज्वलित करने वाले थे युग नायक स्वामी विवेकानंद।

पुण्य भूमी भारत सदैव से ही वीर प्रसूता रही है भारत जननी ने ऐसे वीर पुत्रों को जन्म दिया है जिन्होंने अपने तप ज्ञान कर्म कौशल से भारत का मस्तिष्क ऊंचा किया है और दुनिया को राह दिखाई है,ऐसे ही एक संन्यासी योद्धा स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में हुआ था । पिताजी विश्वनाथ दत्त कोलकाता के सुप्रसिद्ध बकील थे तो माता भवनेश्वरी देवी एक धार्मिक विचारों वाली आदर्श महिला।। स्वामी जी के बचपन की तमाम घटनाओं से लेकर उनके उनके स्वामी विवेकानंद बनने तक की सभी घटनाएं अर्थात बालक बिले (स्वामी जी के बचपन का नाम)के बचपन की शरारतें या फिर युवा नरेन्द्र का जिद्दी स्वभाव हो या फिर स्वामी रामकृष्ण परमहंस स्पर्श पाकर स्वयं की अनुभूति या उसके पश्चात दुनिया को भारत की ज्ञान शक्ति का एहसास करने वाले स्वामी विवेकानंद के बारे में भारत का प्रत्येक व्यक्ति जानता है। स्वामी विवेकानंद का भारत के क्षितिज पर उदय उस समय हुआ जब सदियों की दासता से ग्रसित भारत अपने स्व को भूल चुका था और अंग्रेजों के अत्याचारों से कराह रहा था । कभी विश्व गुरु कहलाने वाले भारत को उस समय पश्चिम के देश सपेरों और बंदर नचाने वालों का देश कह कर पुकारते थे स्वामी जी ने उसे कठिन काल में न केवल भारत को उसके स्व का एहसास कराया बल्कि दुनिया को भारत के ज्ञान के सम्मुख नतमस्तक करने का काम भी किया।

स्वामी जी कहते थे यदि राष्ट्र को जीवित रखना है तो उसके निवासियों के अंदर राष्ट्रीय भावना होना आवश्यक है यह भाव विश्व के लिए कार्य करता है और उसकी धारणा के लिए आवश्यक है जिस दिन विश्व की धारणा के लिए उसे भाव की तत्व रूप में आवश्यकता समाप्त हो जाती है उसे दिन उस राष्ट्र का विनाश हो जाता है हम भारतवासी इतनी आपत्तियां दुख दरिद्र एवं अन्तर्वाह अत्याचारों को झेल कर भी अब तक जीवित हैं यही प्रमाण है कि हमारा कोई राष्ट्रीय भाव है जिसकी विश्व की धारणा के लिए आवश्यकता है।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के तत्कालीन सरसंघ चालक कुप.सी. सुदर्शन ने वर्ष 2000 में अपने एक भाषण में स्वामी विवेकानंद के द्वारा 1895 में उनके गुरु भाइयों को लिखे पत्र का उल्लेख करते हुये कहा था कि स्वामी विवेकानंद ने उस पत्र में गुरु भाइयों को लिखा है कि 1836 में जब स्वामी रामकृष्ण परमहंस का जन्म हुआ तो स्वर्ण युग का प्रारंभ हुआ,सुदर्शन जी ने ऋषि अरविंद को उद्धृत करते हुये कहा कि ऋषि अरविंद ने कहा है युग संधि का काल 175 वर्ष का होता है सुदर्शन जी ने कहा कि 1836 में 175 जोड़ें तो 2011 होता है ,2011 से भारत का भाग्य सूर्य सम्पूर्ण विश्व में चमकना शुरू हो जायेगा भारत सम्पूर्ण विश्व को विश्व बंधुत्व का संदेश देकर एकता के सूत्र में गूंथने का प्रयत्न करेगा।। वर्ष 2014 से भारत उस दिशा में चल पड़ा है,वर्तमान का भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, वह निश्चित रूप से स्वामी विवेकानंद के स्वप्न की पूर्ति कर रहा है। 15 अगस्त 2022 के स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए भाषण में अमृत काल के पाँच संकल्पों को हम स्वामी विवेकानंद के विचारों और प्रेरणा से भी जोड़ कर देख सकते हैं।

पहला संकल्प 'विकसित भारत' - अमेरिका से लौटकर स्वामी विवेकानंद ने देशवासियों से आह्वान करते हुए कहा था- नया भारत निकल पड़े मोची की दुकान से, भड़भूँजे के भाड़ से, कारखाने से, हाट से, बाजार से, निकल पडे झोंपड़ियों से, जंगलों से, पहाड़ों से, पर्वतों से और खेत-खलियानों से और पुनः भारत माँ को विश्वगुरु के पद पर आसीन कर दे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का भी मानना यही है कि जनभागीदारी और 'सबका साथ-सबका विकास' के मंत्र से ही हम विकसित भारत के महान लक्ष्य को पूरा करेंगे। दूसरा संकल्प 'गुलामी से मुक्ति'- 1897 में स्वामी विवेकानंद से किसी ने पूछा, स्वामी जी मेरा धर्म क्या है? स्वामी जी ने उत्तर दिया कि गुलाम का कोई धर्म नहीं होता, अगले 50 वर्षों तक सिर्फ भारत को गुलामी से आजाद कराना ही तुम्हारा धर्म है। स्वामी जी कहा करते थे- कि ÷हम वो हैं, जो हमें हमारी सोच ने बनाया है, इसलिए इस बात का ध्यान रखिये कि आप क्या सोचते हैं, शब्द गौण हैं, विचार रहते हैं, वे दूर तक यात्रा करते हैं÷ अर्थात अपने मन मस्तिष्क में गुलामी का कोई भी विचार ना रहने दें। यही बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कही, हमारे मन के भीतर किसी भी कोने में गुलामी का एक भी अंश न रहे।

पाँचवा संकल्प 'नागरिकों का कर्तव्य' - स्वामी विवेकानंद द्वारा कृत 'कर्मयोग' नामक पुस्तक का चौथा अध्याय है- ÷कर्तव्य क्या है÷। जिसमें उन्होंने जीवन के हर कर्तव्य के बारे में विस्तार से बताया है, स्वामी जी ने उसमें लिखा है कि हमारा पहला कर्तव्य है कि हम अपने प्रति घृणा न करें। उन्होंने श्रीमद्भगवद्गीता का उल्लेख करते हुए कहा है कि जीवन के विभिन्न कर्तव्यों के प्रति मनुष्य का जो मानसिक और नैतिक दृष्टिकोण रहता है, श्रीमद्भगवद्गीता में उन सभी जन्मगत तथा अवस्थागत कर्तव्यों का बारम्बार वर्णन है। उसी प्रेरणा से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि नागरिकों का कर्तव्य देश और समाज की प्रगति का रास्ता तैयार करता है। यह मूलभूत प्रणशक्ति है। देश के मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति भी इससे बाहर नहीं हैं। बिजली की बचत, खेतों में मिलने वाले पानी का पूरा इस्तेमाल, केमिकल मुक्त खेती, हर कीमत पर भ्रष्टाचार से दूरी आदि हर क्षेत्र में नागरिकों की जिम्मेदारी और भूमिका बनती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वक्तृत्व भारत की स्वतंत्रता के अमृत काल के संकल्पों में स्वामी विवेकानन्द के ओजस्वी विचार अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं। अपनी आध्यात्मिक शक्ति, गौरवपूर्ण संस्कृति-संस्कारों से ओतप्रोत अद्भुत सामर्थ्य, वैश्विक शांति और सौहार्द के लिए वसुधैव कुटुम्बकम के भारतीय दर्शन और मानव कल्याण की प्रेरणा देने वाले सनातन धर्म के कारण ही भारत विश्वगुरु की प्रतिष्ठा को प्राप्त करेगा।

– लेखक प्रदेश कार्य समिति सदस्य है

– योग गुरु महेश अग्रवाल

प्रकृति नें मनुष्य में कार्य करने की इच्छा और अनिवार्यता स्वाभाविक रुप से दी है।

कर्मयोग - कर्मयोग में जीवन जीने का एक मार्ग प्राप्त होता है

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल कई वर्षो से निःशुल्क योग प्रशिक्षण के द्वारा लोगों को स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखा रहें है, वर्तमान में भी ऑनलाइन एवं प्रत्यक्ष माध्यम से यह क्रम अनवरत चल रहा है। योग प्रशिक्षण के दौरान केंद्र पर योग साधकों को सेवा कार्यों के लिए हमेशा प्रेरित किया जाता है एवं योग आसन प्राणायाम के अभ्यास से कैसे हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। हम आजीवन स्वस्थ रहते हैं इसका अभ्यास करवाया जाता है।

योग गुरु अग्रवाल नें बताया कि कर्मयोग का अभ्यास मन को शुद्ध करने के लिए बहुत ही आवश्यक है। भक्तियोग, राजयोग, ज्ञानयोग भी योग के बहुत ही महत्त्वपूर्ण अभ्यास हैं, किन्तु यदि मन के मैल को कर्मयोग के अभ्यास के द्वारा धोकर शुद्ध नहीं किया गया, यदि संस्कारों को समूल नष्ट नहीं किया गया, यदि सांसारिक अनुभवों को समूल नष्ट नहीं किया तो आन्तरिक अनुभूति को प्राप्त करने की विधि में तथा सांसारिक अनुभवों मे ये अवरोध उत्पन्न कर देंगे। यदि आपका मन अशुद्ध रहता है तो आपके अंदर अनेको मानसिक समस्याएँ पैदा हो जाएंगी। ये समस्याएँ आपके दैनिक जीवन में आत्मीय स्वजनों में आपके संबंधों के कारण उत्पन्न होता है एवं ये समस्याएं ही वे अशुद्धियाँ हैं जो आपके सांसारिक अनुभवों में अवरोध उत्पन्न करती है। इसी के कारण आपके पास लाखों-करोड़ों की निधि होते हुए भी आप उसका आनन्द नहीं ले सकते, आपके पास प्रत्येक वस्तु यथा अच्छी शिक्षा, महान् कलाकार बनने की क्षमता, अच्छा पारिवार इत्यादि होते हुए भी आप दुःखी रहते हैं। आपके दुःख का कारण क्या है? आप इसलिए दुःखी हैं कि आपका सामान्य जीवन व्यवस्थित नहीं है एवं वह कर्मयोग से संबंधित नहीं है।

प्रत्येक कार्य, चाहे वह शरीर से अथवा मन से किया गया हो, कर्म कहलाता है। और हम सभी इसे करते हैं, किन्तु %कर्मयोग% कुछ अलग ही वस्तु है। हम कर्म क्यों करते है? कुछ व्यक्ति बच्चे उत्पन्न करना ही कर्म समझते हैं, कुछ लोग आनन्द मनाने को ही कर्म समझते हैं, परन्तु संन्यासी के लिए कार्य करने का उद्देश्य आत्मशुद्धि मात्र है।

जीवन में हम चाहे जिस प्रकार का कार्य करें ओर इनका चाहे जो भी फल हमें प्राप्त हो, किन्तु इनके प्रति हमारे मन में सदैव एक प्रकार का भय बना रहता है। इस कारण ही मनुष्य का मन सर्वदा एक अज्ञात भय से पीड़ित रहता हैं। मनुष्य के इस अज्ञात भय को मनोवैज्ञानिक और योगी दोनों ही अच्छी तरह से जानते हैं। बहुधा आप यह नहीं जानते कि आपके मन की गहराई के अन्दर भय व्याप्त है, हालाँकि प्रत्यक्षरूप से अपने भय पर नियंत्रण प्राप्त करने के लिए आप यह कह कर अपने मन को ढाढस देते हैं कि मेरा यह भय अर्थहीन है, इससे कुछ नहीं होने वाला है। आप अच्छी तरह यह जानते हैं। यदि आपके मन में कुछ अमंगल होने की आशंका व्याप्त नहीं है, तो आप मंदिर क्यों जाते हैं? चर्च क्यों जाते हैं? आप किसी देवता को या किसी की मजार को अथवा किसी देववृक्ष को सन्तुष्ट करने क्यो जाते हैं? इसलिए कि आपके मन की गहराई में भय मौजूद है और आप इसे अच्छी तरह जानते हैं। इसलिए आप इन्हें सन्तुष्ट करने जाते हैं एवं

इन्हें सन्तुष्ट करके आप अपने भय को खतम करने का प्रयास करते हैं। आप अधिक वाचाल क्यों हैं? केवल भय के कारण, और इसलिए भी कि आपने आत्मविश्लेषण नहीं किया है।

यह प्रत्येक व्यक्ति के दैनिक जीवन से संबंद्ध सर्वोत्तम दर्शन है। इसे गीता के प्रत्येक अध्याय में कृष्ण द्वारा स्पष्ट किया गया है। आप अपने मन से, इन्द्रियों से, शरीर से, बुद्धि से कार्य कर सकते हैं। आप इनके द्वारा स्वयं के लिए, अपनी जाति के लिए अथवा किसी अन्य के लिए कार्य करते हैं। किन्तु आप कुछ भी करें, आपके द्वारा किये गये प्रत्येक कार्य मे एक ही उद्देश्य निहित होना चाहिए - आत्मशुद्धि। आपको सर्वदा कर्मफल से परे रहना चाहिये, किन्तु जिस क्षण आप कर्मफल के प्रति आसक्त हो जाते हैं उसी क्षण से जाने-अनजाने आप दुःखी होने लगते हैं और यहीं से मन की शुद्धता का पतन आरम्भ हो जाता है।

मन की शुद्धता क्या है? यह नैतिक शुद्धता नहीं। ऐच्छिक विचारों में शुद्धता होना मन की शुद्धता नहीं है। मैं नैतिकता के विषय में, धर्म के विषय में अथवा परोपकार के बारे में चर्चा नहीं कर रहा हूँ। मन की शुद्धता को जानने के लिए पहले हमे मन की अशुद्धता पर विचार करना होगा। जब आप शान्त होकर बैठते हैं तो आपका मन विचलित होता रहता है। एक के बाद एक विचार लगातार आते रहते हैं, एक विचार पर दूसरा विचार तुरन्त हावी हो जाता है। एक विचार दूसरे विचार को पीछे छोड़ देता है। कभी-कभी आपके मस्तिष्क मे इतनी उलझन हो जाती हे कि यदि आप संवेदनशील व्यक्ति हैं तो आप पागल भी हो सकते हैं। आपके मस्तिष्क से होकर अनेकों विचार तरंगे चलायमान होती रहती हैं और एक विचार तरंग द्वितीय विचार तरंग का विरोध करती रहती है जिसका अनुभव आप करते हैं। मन की विक्षिप्त प्रकृति, मनोविकार, मनोरोगमय होने की प्रकृति प्रत्येक व्यक्ति में होती है।

समाज ने हम सभी के लिए, चाहे हम किसी धर्म के हों, किसी भी देश के हों, एक कार्य प्रणाली प्रत्येक कार्य करने की एक रूपरेखा, एक दायरा बना दिया है किन्तु आप अन्तर्मन के लिए कोई भी रूपरेखा तैयार नहीं कर सकते। अतः जब आप ध्यान करने बैठते हैं तो आपके ही विचार आप के चित्ररूप में दिखलाई पड़ते हैं। जब आपके जीवन में विपत्ति आती है तो प्रत्येक चीज का विस्फोट होता है।

आप तभी तक नाईट क्लब, होटल, पिकनिक इत्यादि का आनन्द मनाते रहते हैं एवं प्रत्येक वस्तु आपको बहुत अच्छी दिखलाई पड़ती है जब तक कठिनाई सामने नहीं आती। किन्तु जब कठिनाइयाँ सामने आती हैं तो जीवन की सारी रंगीनियाँ लुप्त हो जाती हैं। ये कठिनायाँ, ये विपत्तियाँ कहाँ से आती हैं? ये आपके मन की गहराइयों में बैठे हुए संस्कारों द्वारा ही पैदा होती है एवं ये संस्कार ही आपके मन की अशुद्धि के कारण हैं।

अतः आत्मशुद्धि (मन की शुद्धि) का अर्थ है मन का प्राकृतिक संस्कारों के प्रभाव से मुक्त होना। जब मन शुद्ध हो जाता है, तो क्या होता है? तब निर्मलता प्राप्त होती है। आप जब शीशे को साफ करेंगे, तभी अपना प्रतिबिम्ब उसमे देख सकेंगे और यदि शीशे को साफ नहीं करेंगे तो आप अपने आपको उसमें नहीं देख पायेंगे।

कर्मयोग द्वारा सम्पूर्ण अनुभूतियों से हमारा संबंध जुड़ता है। यह विज्ञान हमारे दैनिक कार्यो प्रातः काल से रात्रि तक के कार्यो से संबंधित है। वैकल्पिक लाभ के लिए किए गए कार्यो से भी इसका संबंध है। कर्मयोग के दर्शन के अन्तर्गत हमारे सभी कार्य-व्यापार, स्वार्थ-परमार्थ से जुड़ी सभी गतिविधियाँ आ जाती हैं।

कर्मयोग में जीवन जीने का एक मार्ग प्राप्त होता है। भगवद् गीता के सिवा और कोई शास्त्रीय ग्रंथ कर्मयोग पर नहीं है। यह लघुग्रंथ है और इसका विषय सरल है। इसमें अट्ठारह अध्याय हैं और प्रत्येक अध्याय में किसी एक योग की चर्चा है। प्रथम अध्याय विषाद- योग है। आपने हठ-योग, लय-योग, क्रिया-योग, नाद-योग, सिद्ध योग और कर्म-योग सुना है, पर कभी विषाद-योग सुनने में आया है? जब हम हताश और निराश हो जाते हैं, जब जीवन में हर कुछ छिन्न-भिन्न हो जाता है, तब हमारे मन की क्या दशा होती है? जब हर चीज हमारे विपरीत हो जाती है, जब हमारे ऊपर द्वन्द्व हावी हो जाता है, जब हम अनिश्चय के भंवर में फँस जाते हैं, जब हम किंकर्तव्यविमूढ़ हो जाते हैं, तो हमारे मन की क्या दशा होती है? मन की उसी दशा को विषाद योग कहते हैं।

तो, हम इस निराशा और हताशा से कैसे उबरें? जब घबराहट के कारण हमारा शरीर काँपने लगता है, हमारी हथेली से पसीना छूटने लगता है, गला अवरुद्ध हो जाता है, जब निषेधात्मक तत्त्व हमारे मन के ऊपर मंडराने लगते हैं, जब हमें लगता है कि मृत्यु सामने खड़ी है, हमारी पत्नी हमसे बिछुड़ रही है, हमारी सम्पत्ति नष्ट-भ्रष्ट होने जा रही है, तब कौन-सा योग उपयोगी होगा? जब हमें लगे कि सर्वत्र अपशकुन हो रहा है, हमारे चारों ओर अंधकार छा गया है, तब कौन-सा योग हमारे लिए उपयोगी होगा?

भगवत् गीता का कथन है कि इस मनोदशा में कर्म योग ही एक मात्र सहारा है। कर्म योग द्वारा मन की हताशा, दुराशा, अवसाद, कुण्ठा का निराकरण हो सकता है। कर्म योग है क्या? हम प्रतिदिन काम करते हैं। चिकित्सक, व्यवसायी, कामगार, गृहस्थ सभी काम करते हैं, पर यह कर्मयोग नहीं है, कर्म है। कर्म योग योग का एक प्रकार है जिसके पीछे एक दर्शन है। यह वह योग है जिसमें हम जीवन के हर कार्य-व्यापार में संलग्न होते हैं, पर सिर्फ कार्य करते हैं, उसमें लिप्त नहीं होते। यह बड़ी सूक्ष्म बात है - कार्य-व्यापार में भाग लेते हुए भी उससे निर्लिप्त रहना।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

बजरंग दल सेवा सप्ताह अंतर्गत किया पौधरोपण

गंज बासौदा दैनिक सांध्य प्रकाश । गुरूवार को बजरंग दल सेवा सप्ताह के अंतर्गत राम जानकी मंदिर गौधाम आश्रम गौशाला में वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान नीम, कदम, शीशम, पीपल, जामुन आदि 11 पौधे रोपे गये एवं उनकी देखभाल करने का संकल्प स्थानीय कार्यकर्ताओं ने लिया वृक्षारोपण करने का उद्देश्य हरित पर्यावरण हो स्वच्छ प्राणवायु मिले एवं प्रकृति और पर्यावरण से जन जन का जुड़ाव हो ऐसा संदेश देना है।

इस दौरान विहिप प्रांत सह गौरक्षा प्रमुख नीलेश अग्रवाल, हिन्दू जागरण मंच के प्रांत सह संयोजक रामसेवक विश्वकर्मा, विहिप विभाग सत्संग प्रमुख सुरेन्द्र ठाकुर, जिला मंत्री अभिषेक शर्मा गुरूजी, बजरंग दल जिला सह संयोजक अन्नू यादव, नगर अध्यक्ष रामकृष्ण राजपूत, बजरंग दल नगर संयोजक भजन प्रजापति, रामराज झा, अमन शर्मा, लाला खटीक, अमित जैन सहित अन्य बजरंग दल कार्यकर्ता उपस्थित थे।

औषधि निरीक्षक द्वारा मेडिकल दुकानों का निरीक्षण करके दवाइयों के लिए गए नमूने

दमोह। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर के निर्देशों के तहत् खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा जांच दल द्वारा ग्राम

फुटेरा स्थित किराना दुकानों में निरीक्षण कार्यवाही करते हुए किराना दुकानों में विक्रय की जा रही खाद्य सामग्री की जांच की गई। कार्यवाही में सरिया रोड स्थित जैन मेडिकल एंड जनरल स्टोर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान परिसर से मौके पर विक्रय हेतु संग्रहित ग्रीन चिली एवं टोमैटो केचअप के नमूनें जांच हेतु लिए गए। इन नमूनों को जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। इसी तरह पटेरा नगर स्थित मेडिकल दुकानों का औषधि निरीक्षक द्वारा जांच की गई।

शांति धाम बनेगा हरित धाम

सांध्य प्रकाश इटारसी। नगर का शांति धाम शमशान जल्द ही हरियाली की नई पहचान बन जायेगा । समाज सेवी प्रमोद पगारे द्वारा गोकुल नगर खेड़ा स्थित शांति धाम में 500 पौधों के वृक्षारोपण की दिशा में पहल शुरू हो गई है। उन्होंने इटारसी एसडीएम को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम औपचारिक पत्र सौंपा है।पत्र में उनका उद्देश्य है कि वन विभाग शीघ्र पौधों की आपूर्ति करा दें । नगर के पत्रकार एवं समाजसेवी श्री पगारे ने

बताया कि मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में आग्रह किया है कि इटारसी नगर के इस महत्वपूर्ण स्थल पर पौधरोपण शीघ्र सुनिश्चित कराया जाए। शांति धाम केवल अंतिम संस्कार स्थल नहीं, बल्कि नगर का हरित गौरव भी बन सकता है। उन्होंने कहा कि शांति धाम पर प्रतिवर्ष अनेक पौधे लगाए जाते हैं, जिनकी देखरेख स्थानीय समिति द्वारा की जाती है। इसी क्रम में इस बारिश में 500 पौधों की मांग वन विभाग से की गई थी, परंतु विभागीय स्तर पर उदासीनता के कारण अब तक पौधों की आपूर्ति नहीं हो पाई।इसी स्थिति को देखते हुए नगर के आईएएस अधिकारी एवं एसडीएम टी. प्रतीक राव को मुख्यमंत्री के नाम पत्र सौंपा गया।

पिकनिक स्पॉट प्रतिबंधित नहीं, केवल खतरनाक क्षेत्रों में प्रवेश रोका

कलेक्टर के आदेश की गलत व्याख्या से भ्रम की स्थिति, प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट की

इंदौर। इंदौर जिले के लोकप्रिय पिकनिक स्थलों पर भ्रमण को लेकर जारी कलेक्टर आशीष सिंह के आदेश में किसी भी पिकनिक स्पॉट पर जाने पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। कलेक्टर के आदेश की गलत व्याख्या से भ्रम की स्थिति निर्मित हुई, इसलिए प्रशासन ने किया स्पष्टीकरण जारी किया है।

20 जून को जारी आदेश में कलेक्टर ने केवल उन क्षेत्रों में प्रवेश को प्रतिबंधित किया गया, जो सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत खतरनाक है। इन स्थानों पर जोखिम ज्यादा है और एकांत और सुरक्षा की दृष्टि से यह असुरक्षित हैं।

कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि महू तहसील सहित तिंछा फॉल, चोरल फॉल, कजलीगढ़, जामनिया कुंड, मेहंदी कुंड, हत्यारी खो, लोहिया कुंड, जूनापानी, जोगी भड़क जैसे पिकनिक स्थलों पर जाना प्रतिबंधित नहीं है। लेकिन इनमें से कई स्थलों पर स्थित गहरी खाइयों, झरनों और अन्य एकांत व असुरक्षित स्थानों पर जाने से पर्यटकों को उनकी सुरक्षा के लिए रोका गया है। इन स्थानों पर सुरक्षात्मक व्यवस्थाएं जैसे गार्ड, चेतावनी बोर्ड और बचाव संसाधनों की अनुपस्थिति को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। आदेश का उद्देश्य किसी की यात्रा को रोकना नहीं बल्कि पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आम जनता पिकनिक स्थलों का आनंद ले सकती है, लेकिन उन्हें चिन्हित असुरक्षित क्षेत्रों में जाने से बचना होगा। इससे पूर्व भी दुर्घटनाओं की घटनाएं सामने आई हैं, जिन्हें रोकने के लिए यह एहतियाती कदम उठाया गया है

आईएएस अधिकारी अनिल सुचारी ने सागर के संभागीय कमिश्नर का पदभार ग्रहण किया

सागर। भारतीय प्रशासनिक सेवा में 2006 बैच के ट्रूस अधिकारी अनिल सुचारी ने आज सागर के संभागीय कमिश्नर का पदभार ग्रहण किया। सुचारी इसके पूर्व मध्य प्रदेश शासन मंत्रालय में सामान्य प्रशासन विभाग में सचिव के पद पर कार्यरत थे। वे पूर्व में रीवा और शहडोल संभाग के कमिश्नर भी रह चुके हैं

श्री सुचारी ने संभाग आयुक्त सागर संभाग का पदभार ग्रहण करने के पश्चात संभाग कार्यालय में पदस्थ विभिन्न प्रभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से उनके प्रभागों और दायित्वों के विषय में जानकारी ली। नवागत संभाग आयुक्त ने संभाग आयुक्त कार्यालय के विभिन्न कक्षों का भी निरीक्षण किया तथा अधिकारियों कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

इस दौरान सागर के कलेक्टर श्री संदीप जी आर, पुलिस अधीक्षक श्री विकास शाहवाल, अपर कमिश्नर श्री पवन जैन,जॉइंट कमिश्नर श्री राजेश शुक्ला, सिटी मजिस्ट्रेट समिति जुही गर्ग, एसडीएम श्रीमती अदिति यादव, एसडीएम श्री अशोक सेन, श्री अनुराग पटेरिया, ऑफिस अधीक्षक श्री प्रेम नारायण चढ़ार, धीरेंद्र मिश्रा सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

बता दे कि श्री अनिल सुचारी ने इसके पूर्व कलेक्टर विदिशा, एमडी पाठ्य पुस्तक निगम, सचिव माध्यमिक शिक्षा मंडल, अतिरिक्त सचिव गृह एवं परिवहन विभाग, कमिश्नर रीवा संभाग, कमिश्नर शहडोल संभाग, सचिव सामान्य प्रशासन विभाग जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहकर अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया हैं। उन्हें एक परिणाम देने वाला अधिकारी माना जाता है।

कार्यभार ग्रहण के दौरान सागर के कलेक्टर श्री संदीप जी आर, पुलिस अधीक्षक विकास शाहवाल, अपर कमिश्नर श्री पवन जैन,जॉइंट कमिश्नर श्री राजेश शुक्ला, सिटी मजिस्ट्रेट समिति जुही गर्ग, एसडीएम श्रीमती अदिति यादव, एसडीएम अशोक सेन, श्री अनुराग पटेरिया, ऑफिस अधीक्षक प्रेम नारायण चढ़ार, धीरेंद्र मिश्रा सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

जिला मजिस्ट्रेट मीना मसराम ने पुलिस अधीक्षक को लिखा पत्र

72500 रूपये के फर्जी चालान पाये गये

दमोह-कलेक्ट्रेट परिसर दमोह के अर्जीनवीस पदम सिंह ठाकुर के विरूद्ध प्राप्त शिकायत की जाँच उपरांत शस्त्र लायसेंस नवीनीकरण हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्रों में कूट रचित (फर्जी) चालानों को बनाने के संदर्भ में प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करवाये जाने हेतु अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट मीना मसराम ने पुलिस अधीक्षक दमोह को पत्र लिखा हैं।

पुलिस अधीक्षक को लिखे पत्र में कहा गया है, फुटेरावार्ड नं. 03 हाल पता- कामधेनु कॉलोनी आमचौपरा दमोह निवासी पदमसिंह ठाकुर द्वारा याचिका लेखक का लायसेंस क्र. 01/2009 स्वीकृत कर जारी किया गया हैं। उनके द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में बैठकर याचिका लेखक का कार्य संपादित किया जाता है। शस्त्र लायसेंसधारियों द्वारा शस्त्र लायसेंस के नवीनीकरण हेतु आवेदन पत्र मय चालानों की प्रति सहित कलेक्टर कार्यालय में प्रस्तुत किये गये थे जिनमें से कुछ शस्त्र लायसेंसधारियों के आवेदन पत्र के साथ संलग्न चालानों की राशि एवं नामों का सत्यापन न होने के कारण शस्त्र लायसेंसधारियों को कथन हेतु आहूत किया गया था।

शस्त्र लायसेंसधारियों द्वारा उपस्थित होकर शपथ (14 लायसेंसधारियों द्वारा) दिये गये एवं पृथक-पृथक कथन अंकित कराये गये, कि उनका शस्त्र लायसेंस नवीनीकरण हेतु आवेदन पत्र एवं चालानों की राशि पदमसिंह ठाकुर अर्जीनवीस द्वारा जमा कराई गई है तथा आवेदन पत्र एवं जमा किये गये चालानों की प्रति उनके द्वारा शस्त्र लायसेंसधारियों को प्रदाय की गई थी। शस्त्र लायसेंसधारियों द्वारा उक्त आवेदन पत्र एवं उसमें संलग्न चालानों को कार्यालय में जमा किया गया।

साप्ताहिक बाजार में हर तरफ कीचड़ और गंदगी से लोग परेशान

माताएं एवं बहनें कीचड़ और पानी में कर रही है बाजार

ओबेदुल्लागंज संवाददाता। हाट बाजार एक करोड़ की लागत से बनना है लेकिन अभी तक कार्य पूर्ण नहीं होने से जनप्रतिनिधि सामाजिक कार्यकर्ता महिलाओं में शासन प्रशासन के विरुद्ध रोष व्यक्त है ओबेदुलागंज से हाट बाजार में चबूतरे सौंदर्यीकरण का कार्य अभी तक नही हुआ पूरा इस बारिश मैं भी मुसीबत में महिलाएं, पुरुष, बच्चे कीचड़ में ले रहे हैं सब्जी नहीं हो पा रहे विकास कार्य लाखों के विकास कार्य पड़े हुए हैं अधूरे क्षेत्रीय विधायक और पूर्व मंत्री सुरेंद्र पटवा कह रहे हैं विकास कराएंगे लेकिन जो कार्य रुके पड़े उन्हें ही नहीं करा पा रही है भाजपा सरकार कांग्रेस नेत्री पवित्रा कौर ने कहा विकास केवल भाषण में ही चल रहे हैं ओबेदुल्लागंज नगर पंचायत के आस पास 50 से 100 गांव के लोग आते हैं हाट बाजार पर सब्जी लेने के लिए महिलाएं बच्चे कीचड़ में परेशान होकर शासन-प्रशासन राजनेताओं को कोसते हैं इस वारिस भी परेशानी सामने खड़ी हो रही है ठेकेदारों के ऊपर क्यों रहती है नगर परिषद मेहरबान जिस भी ठेकेदार ने हाट बाजार में पेवर ब्लॉक का काम किया है इतना घटिया काम किया है कि अभी बाजार लगने से पहले पेपर ब्लॉक जमीन के अंदर गडने लगे हैं इन ठेकेदारों के विरुद्ध कोई कार्रवाई क्यों नहीं करता द्य

सोयाबीन बीज घोटाला: जेएस 2098 बीज अंकुरित नहीं होने से किसानों की फसल बर्बाद

कांग्रेस ने आमला तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन, प्रति हेक्टेयर18 हजार मुआवजे की मांग

सांध्य प्रकाश बैतूल। आमला तहसील में कृषि विभाग के माध्यम से किसानों को वितरित किया गया। सोयाबीन का बीज अंकुरित नहीं हुआ। जिससे किसानों की खरीफ की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है। गुरुवार को जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष छन्नू बेले के नेतृत्व में किसानों ने आमला तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर जे एस 2098 बीज अंकुरित नहीं होने से किसानों को फसल मुआवजा प्रति हेक्टेयर 18 हजार की राशि दिए जाने तथा कंपनी मालिक पर कार्रवाई किए जाने की मांग की है। श्री बेले ने बताया जिले के आमला ब्लॉक में किसानों को जेएस 2098 किस्म का बीज वितरित किया गया था। लेकिन बीज की गुणवत्ता इतनी खराब निकली कि जमीन में बुवाई के बाद भी अंकुरण नहीं हुआ। किसानों का कहना है। कि यह बीज उन्नत उत्पादन और किसान हित में वितरित किया था। लेकिन अब यह बीज किसानों के लिए मुसीबत बन गया है। फसल पूरी तरह चौपट होने से किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। इसकी जानकारी लगने पर कृषि विभाग के अधिकारी ने सिर्फ पंचनामा तैयार किया है। मुआवजा संबंधी कोई कार्रवाई नहीं की गई। किसानों का आरोप है कि कृषि विभाग द्वारा बिना गुणवत्ता जांच के किसानों को जो बीज वितरित किया गया। वही इस नुकसान की मुख्य वजह है। उन्होंने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए दोषियों पर सख्त कार्रवाई और किसानों को त्वरित राहत देने की मांग की है। प्रभावित किसानों का कहना है। कि यदि प्रशासन जल्द मुआवजे और दोषियों पर कार्यवाही नहीं की गई तो आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन देने के दौरान विश्राम उईके, ओम दास शेषकर,देवराम चौकीकर दिलीप रावत, रमेश दामले, भोजराज, महेश, धनलाल नागले,सुखदेव नारे,रामदयाल राठौर, दिलीप रावत, दिनेश, देवराव चौकीकर सहित अन्य किसान शामिल है।

कुलस्ते को भावभीनी विदाई 6 साल बेमिसाल

सुल्तानपुर। बिनेका रेंज के रेंजर को भावभीनी विदाई दी गई टी आर कुलस्ते ने 6 वर्ष तक बिनेका जैसी रेंज में रहकर जो मान और सम्मान कमाया वह किसी से छुपा नहीं है इसलिए उनके कार्यकाल को 6 साल बेमिसाल का रूप दिया गया कुशल व्यवहार सादगी के धनी कुलस्ते ने बिनेका रेंज ही नहीं अपितू पूरे डिवीजन में अपने व्यवहार और सहजता का परचम लहरा दिया

वैसे तो कुलेस्ते डिवीजन में 8 साल सेवा की अपने मधुर व्यवहार के दम पर जब वह विदा हो रहे थे तब लोगों के आंखें नम हो गई थी

कुलस्ते का स्थानांतरण रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व सागर में हुआ इस अवसर पर राता पानी अधीक्षक सुनील भारद्वाज द्वारा उनके उनके जीवन पर प्रकाश डाला बरखेड़ा रेंजर विकास सुलिया प्रशांत खरे रेंजर देहलाबाड़ी ने भी कुलस्ते के कार्य प्रणाली की प्रशंसा की सेवानिवरत रेंजर जेपी बर्मन जयराम प्रभाकर ने उनके जीवन की मंगल कामना की

कुलस्ते के चाहने वालों में मुजीबुर रहमान जसपाल राणा देवेंद्र रावत डिप्टी सरदार सिंह मालवीय पवन साहू निकल तिवारी सौरभ शर्मा चंद्रशेखर लोधी रोहित श्रीवास्तव अजय साहू अखिलेश चौधरी अनिल मिश्रा सुधीर नेमा निशिकांत ठाकरे राजवीर सिंह रामस्वरूप इब्ने सरदार सिंह वरकरें राजाराम पप्पू कुमरे पिपलिया गोली विष्णु ज्ञानी बदामी लाल मास्टर नीलगढ़ हर्ष चंदेबा पूर्व सरपंच खन्ना राम नायक कैलाश चंद मालवीय प्रेम सरे आम मुंशीलाल भील अशोक वर्मा हेमराज चौहान श्रीमती सीमा राजगोड श्रीमती भारतीय लोधी जयशंकर मिश्रा दीप कुमार चतुर्वेदी सुशील शुक्ला हृदय लाल शुक्ला आपका व्यक्तित्व मृदभाषी जैसे बनारस मथुरा वृंदावन और काशी कार्यक्रम का सफल संचालन डिप्टी रेंजर राजकुमार भाल्लवी युवा तेजतरॉट वनपाल सूरज सिंह द्वारा किया गया।

शास. कन्या महाविद्यालय में नव प्रवेशित छात्राओं के साथ उत्साह से मना दीक्षारंभ कार्यक्रम

सांध्य प्रकाश इटारसी। उच्च शिक्षा अधोसंरचना, शैक्षणिक संरचना, परीक्षा प्रणानी का परिचय, वरिष्ठ छात्राओं के साथ मेल मिलाप, विभागों एवं पाठ्यक्रमों का परिचय, प्रयोगशालाओं, कंप्यूटर प्रयोगशाला, पुस्तकालय, क्रीड़ा विभाग, महिला जिम, प्लेसमेंट सेल का अवलोकन किया गया। महाविद्यालय की आइक्यूएसी प्रभारी डॉ. हरजीत रंधावा ने छात्राओं को नई शिक्षा नीति, पाठ्यक्रम आदि के विषयों पर चर्चा की। स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ट प्रभारी स्नेहांशु सिंह ने बताया कि नव प्रवेशित विद्यार्थियों को नवीन परिवेश में सहज महसूस कराने तथा उन्हें संस्थान की विशिष्ट प्रकृति एवं संस्कृति को सिखाने के उद्देश्य से महाविद्यालय में दीक्षारंभ समारोह का आयोजन किया गया।डॉ. संजय आर्य ने छात्राओं को शासन द्वारा संचालित विभिन्न प्रकार की छात्रवृतियों से अवगत कराया तथा युवा-उत्सव के विषय में विस्तार से चर्चा की। डॉ. हर्षा शर्मा ने सतत् व्यापक मूल्यांकन, परीक्षा, पाठ्यक्रम आदि विषयों पर चर्चा की। क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुकेश चंद्र बिष्ट ने महाविद्यालय में संचालित खेलों से अवगत कराया। अंत में सभी प्राध्याकों ने अपना-अपना परिचय एवं अपने विभाग के विषय में जानकारी दी। कार्यक्रम में डॉ. हरप्रीत रंधावा, श्रीमती मंजरी अवस्थी, स्नेहांशु सिंह, डॉ. हर्षा शर्मा, डॉ संजय आर्य, श्री रविन्द्र चौरसिया, डॉ. मुकेश चंद्र विष्ट, डॉ. शिरीष परसाई, डॉ. शिखा गुप्ता, डॉ. श्रद्धा जैन, डॉ. नेहा सिकरवार, , कु. करिश्मा कश्यप, तरुणा तिवारी, कु. क्षमा वर्मा, श्री हेमंत गोहिया एवं नव प्रवेशित छात्राएं उपस्थित थी।

विभाग मध्य प्रदेश शासन भोपाल के आदेशानुसार प्रवेश उत्सव के अंतर्गत दीक्षारंभ समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. आर. एस. मेहरा ने बताया दीक्षारंभ समारोह में नव प्रवेशित छात्राओं ने संकाय एवं प्राध्यापकों का परिचय, परिसर का अवलोकन,

प्रदेश की सुख-समृद्धि के संकल्प के साथ सांसद बंटी साहू की दादा धाम पदयात्रा पहुंची चिखली

सांसद बंटी साहू ने कॉलेज परिसर में किया पौधरोपण सुरक्षा का दिलाया संकल्प

सांध्य प्रकाश बैतूल। प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली के संकल्प के साथ छिंदवाड़ा-पांढुर्णा सांसद बंटी विवेक साहू द्वारा छिंदवाड़ा से दादाजी धूनी वाले धाम, खंडवा के लिए निकाली गई। पदयात्रा गुरुवार को बैतूल जिले के ग्राम चिखली पहुंची। यात्रा के ग्राम देवगांव आगमन पर एसडी कॉलेज द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के संस्थापक सदस्यद्वय रेवती प्रसाद सरले एवं मदन महाजन, संस्था अध्यक्ष डॉ. ललित सरले तथा संचालक डॉ. आशीष महाजन ने सांसद बंटी साहू एवं अन्य पदयात्रियों का पारंपरिक विधि-विधान से स्वागत करते हुए पवित्र निशान की पूजा-अर्चना की इसके पश्चात कॉलेज परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। गया, जहां

सांसद श्री साहू ने पौधा लगाकर सभी को पर्यावरण सुरक्षा का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि पदयात्रा केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं बल्कि समाज में सकारात्मक संदेश देने का अवसर भी है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता और प्रदेश की खुशहाली के लिए प्रत्येक व्यक्ति को सक्रिय योगदान देना चाहिए। उल्लेखनीय है कि छिंदवाड़ा, पांढुर्ना सहित पूरे प्रदेश की जनता की सुख, समृद्धि और खुशहाली के लिए सांसद बंटी विवेक साहू छिंदवाड़ा से पांढुर्ना होते हुए खण्डवा तक 411 कि मी. की पदयात्रा कर रहे है। यह सांसद श्री साहू की चौथी और सबसे लंबी पदयात्रा है। इससे पहले वे जामसांवली तक 61 किमी, महादेव तक 34 किमी और रामेश्वर धाम तक 22 किमी की पदयात्रा कर चुके हैं। जिले वासियो श्री साहू की सराहना की और पद यात्रा के लिए शुभकामनाये दी है।

कार्यालय ग्राम पंचायत पथरौटा, जनपद पंचायत केसला

क्रमांक/05/निविदा / ग्रा.पं. / 2025 — पथरौटा, दिनांक 28.06.25

नीलामी सूचना

एतद् द्वारा सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि जनपद पंचायत केसला के अंतर्गत ग्राम पंचायत पथरौटा में स्थित ग्राम पंचायत पथरौटा के स्वामित्व की दुकाने यथास्थिति में रूपये 500 प्रतिमाह किराया प्रति दुकान, नीलामी ग्राम पंचायत पथरौटा द्वारा दिनांक **15.07.2025 को दोपहर 12.00** बजे दिन से जनपद पंचायत केसला में की जावेगी। शासकीय बोली प्रत्येक दुकान के लिए 1 लाख रूपये एवं बोली लगाने हेतु अमानत राशि 5000 प्रथक-प्रथक दुकान के लिए प्रथक-प्रथक एक दिवस पूर्व ग्राम पंचायत में जमा करना अनिवार्य होगा।

दुकानों का आरक्षण इस प्रकार हैं

क्रं.	अजजा		अजा		अ.पि.वर्ग		अनारक्षित		शिक्षित बेरोजगार	विधवा /परित्यक्ता / महिला	कुल संख्या
	अन्य	महिला	अन्य	महिला	अन्य	महिला	अन्य	महिला			
1	2	1	1	2	1	1	2	1	1	1	13

दुकानो के आरक्षण उपरांत स्थिति

क्र.	दु.क्र.	दु.क्र.	दु.क्र.	दु.क्र.	दु.क्र.	दु.क्र.	दु.क्र.	दु.क्र.	दु.क्र.	दु.क्र.	दु.क्र.	दु.क्र.	दु.क्र.	कुल
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
	अजा. अन्य	अजजा. अन्य	अजा. अन्य	अजा. महिला	अजजा. महिला	अजा. महिला	अ.पि.व. अन्य	अ.पि.व. महिला	शिक्षित बैरोजगार अन्य	अजा. अन्य	वि/परि / महिला	अजजा. अन्य	अजा. महिला	13

अतः इच्छुक व्यक्ति / संस्था नीलामी की समस्त सामान्य शर्ते जो ग्राम पंचायत में सूचना पटल पर प्रदर्शित हैं का अवलोकन किया जा सकता है।

सरपंच
ग्राम पंचायत - पथरोटा
जनपद पंचायत केसला

सचिव
ग्राम पंचायत - पथरोटा
जनपद पंचायत केसला

512 करोड़ के जीएसटी कर अपवंचन मामले में 2 आरोपी और गिरफ्तार, 150 से अधिक बैंक खातों की जांच जारी

भोपाल। मध्य प्रदेश के बहुचर्चित 512 करोड़ के GST कर अपवंचन मामले में 2 आरोपी और गिरफ्तार किए गए हैं। एक आरोपी 7 जुलाई तक पुलिस रिमांड पर है जबकि दूसरा आरोपी न्यायालय आदेश से न्यायिक अभिरक्षा में है। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ द्वारा पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक 102/25, दर्ज कर अपवंचन एवं संगठित वित्तीय धोखाधड़ी के मामले में निरंतर की जा रही गहन जांच के दौरान दो महत्वपूर्ण सह-साजिशकर्ता शेख जफर एवं राजा शेख को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस मामले में मुख्य आरोपी विनोद सहाय उर्फ एन.के. खरे को पूर्व में ही गिरफ्तार किया जा चुका है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार यह मामला विगत वर्षों में ?512 करोड़ की फर्जी इनवॉइसिंग एवं ?134 करोड़ के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट के माध्यम से शासन को राजस्व हानि पहुँचाने से संबंधित है, जिसमें मुख्य आरोपी विनोद सहाय उर्फ एन.के. खरे पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है। अनूपपुर निवासी शेख जफर ने विनोद सहाय के कहने पर अंबर कोल डिपो एवं अनम ट्रेडर्स नामक फर्जी फर्मों का निर्माण अपने नाम पर कराया। इन फर्मों का वास्तविक व्यवसायिक संचालन नहीं था, परंतु इनके माध्यम से मां रेवा ट्रेडर्स, नमामी ट्रेडर्स, अभिजीत ट्रेडर्स (विनोद सहाय की अन्य फर्जी फर्में) से लेनदेन दर्शाया गया।इन फर्जी फर्मों से बड़े थर्मल पावर प्लांट्स – जैसे ख्क्कक्ष2द्गह्ल, क्र्स: स्ड्डठ्ठद्धद्धद्ग क्ष2द्गह्ल, प्रकाश इंडस्ट्रीज, एवं अन्य – को बिना किसी कोयला आपूर्ति के कागजी इनवॉइस जनरेट कर इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ दिलाया गया। शेख जफर ने बिलासपुर के कई व्यक्तियों के साथ मिलकर कोल सप्लाई के फर्जी चालान, ट्रक नंबर, ई-वे बिल, वज़न पर्ची आदि तैयार कर करोड़ों की जीएसटी धोखाधड़ी को अंजाम दिया। उसे दिनांक 02-07-25 को बिलासपुर से विधिवत गिरफ्तार कर पूछताछ हेतु 7 जुलाई तक पुलिस रिमांड पर लिया गया है। भोपाल निवासी राजा शेख, फर्म महक इंटरप्राइजेज़ का प्रोप्राइटर है। जांच में यह सामने आया कि उसने विनोद सहाय की फर्जी फर्मों – अभिजीत ट्रेडर्स, नमामी ट्रेडर्स, एवं अंकिता स्टील एंड कोल्स – से लगभग ?6 करोड़ का फर्जी सीमेंट व्यापार दर्शाया।इन लेन-देन के आधार पर ?1.20 करोड़ का फर्जी द्बञ्जष्ट क्लेम किया गया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से अन्य फर्मों की सील एवं अपराध से संबंधित दस्तावेज बरामद किए गए हैं। आरोपी लगातार सीमेंट व्यापारियों से संपर्क में रहकर फर्जी रिटर्न दाखिल करता रहा। उसे दिनांक 01.07.2025 को भोपाल से गिरफ्तार कर 02.07.2025 को न्यायालय द्वारा न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

विद्युत वितरण कंपनियों की स्थिति में सुधार के लिए अभूतपूर्व कदम

प्रदेश के उन्नत शिक्षण संस्थाओं जैसे आईआईटी, आईआईएम, आईआईआईटी, मेनिट एवं सीपीआरआई से भागीदारी की शुरुआत

भोपाल। ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार और नॉलेज शेयरिंग के लिये आईआईटी, आईआईएम, आईआईआईटी, मेनिट एवं सीपीआरआई से भागीदारी की शुरुआत की जा रही है। अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा श्री नीरज मण्डलोई की उपस्थिति में गुरुवार को इन संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ इस संबंध में सम्मेलन हुआ। सम्मेलन में प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों ने प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किये। सम्मेलन में ऊर्जा कम्पनियों की तकनीकी एवं वाणिज्यिक हानियों को अलग-अलग करने, वितरण नेटवर्क की योजना एवं ग्रिड स्थिरता, नवकरणीय ऊर्जा संयंत्रों के इनवर्टर से रिएक्टिव पॉवर क्षतिपूर्ति, कृषि आधारित पम्प लोड एवं मौसमी मांग पूर्वानुमान, क्षति पहचान एवं मांग विश्लेषण के लिये डेटा एनालिसिस, आउटेज पूर्वानुमान और सम्पत्ति प्रबंधन के लिये एआई के उपयोग के संबंध में गहन विचार-विमर्श हुआ। प्रतिनिधियों ने विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिये संयुक्त अनुसंधान, फील्ड स्टडी और तकनीकी परियोजनाओं में काम करने में रुचि जताई। यह सम्मेलन बिजली वितरण क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव, शैक्षणिक ज्ञान और अनुसंधान क्षमताओं को एक साझा मंच पर लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सम्मेलन में एमडी एमपी पॉवर मैनेजमेंट कम्पनी श्री अविनाश लवानिया और एमडी मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी श्री क्षितिज सिंघल ने महत्वपूर्ण सुझाव दिये।

सोने की कीमतों में तेजी से पुराने आभूषण रिसाइकल करने का बढ़ा चलन

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने की कीमतों में तेजी की वजह से आम उपभाक्ता वर्ग नया सोना खरीदने में सक्षम नहीं हैं। वे पुराने सोने के आभूषणों या फिर सिक्कों को रिसाइकलिंग कर नया आभूषण लेना या फिर कैश लेना पसंद कर रहे हैं। सोने की कीमतों में पिछले कुछ वर्षों में जोरदार तेजी देखने को मिली है, जो वर्तमान में भी जारी है। सोने-चांदी में आई इस तेजी की वजह वैश्विक स्तर पर बढ़ रहा तनाव और आर्थिक अनिश्चितता रही है। उपभोक्ताओं ने सोने और चांदी में आई तेजी का फायदा कुछ दूसरी तरह से उठाया है। होलसेल गोल्ड ज्वेलरी एसोसिएशन के महेश बाफना बताते हैं कि सोने की कीमतों में तेजी की वजह से आम उपभाक्ता वर्ग नया सोना खरीदने में सक्षम नहीं हैं। वे पुराने सोने के आभूषणों या फिर सिक्कों को रिसाइकलिंग कर नया आभूषण लेना या फिर कैश लेना पसंद कर रहे हैं। यह चलन पिछले कुछ समय से देखा जा रहा है। जिसमें 20 प्रतिशत तक उपभोक्ता पुराने आभूषणों के बदलकर नए आभूषण खरीद रहे हैं। इसके अलावा, सोने के सिक्कों और बार को भी रिसाइकल कर आभूषण खरीदे जा रहे हैं। यह खरीदारी विशेषर उपभोक्ता भविष्य में अपने बच्चों की शादी ब्याह को देखते हुए कर रहे हैं, क्योंकि भविष्य में सोने की कीमतें और अधिक बढ़ने की संभावना है।

घरेलू बाजार में 11 प्रतिशत सोने की रिसाइक्लिंग

कारोबारियों का कहना है कि भारत में केवल 11 प्रतिशत घरेलू सोने की रिसाइक्लिंग होती है। बाकी सोना आयात के जरिए बाहर से आता है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की रिपोर्ट के अनुसार साल 2024 में भारत में सोने की रिसाइक्लिंग 114.3 टन रही, जो 2023 में 117.1 टन से 2 प्रतिशत कम है।

सोने की रिसाइक्लिंग कीमत में उतार-चढ़ाव से जुड़ी है

झवेरी बाजार के अंबिका ज्वेलर्स के पराग जैन बताते हैं कि भारत में सोने की रिसाइक्लिंग सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव से जुड़ा होता है। हम लगभग 40 प्रतिशत रीसाइकिल किए गए सोने का इस्तेमाल करते हैं। वर्तमान में सोने की कीमतें ऊंची बनी हुई हैं, जिसकी वजह से ग्राहक रिसाइकल करने के लिए आ रहे हैं। वहीं पुराने आभूषणों को बदलकर नई डिजाइन और एक आभूषण से दो हल्के आभूषण बनाने का विकल्प भी उनके पास होता है। देश में कई बड़े रिटेल ज्वेलरी ब्रांड आभूषण बनाने में रिसाइकल सोने का इस्तेमाल करते हैं। जिसमें मिया बाए तनिष्क, जॉय अलुकॉस सहित गोल्ड मालाबार डायमंड जैसी कंपनियां पर्यावरण को देखते हुए भी रिसाइकल गोल्ड का उपयोग करती हैं।

भारत में गोल्ड रिसाइकल में चुनौतियां

मुथूट एक्जिम प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ केयूर शाह बताते हैं कि सोने की रिसाइकल कारोबार में कई चुनौतियां है। यह कारोबार अभी देश में संगठित नहीं हुआ है, जिसकी वजह से उपभोक्ता अपने सोने के आभूषण जब रिसाइकल करते हैं, तो उसका उन्हें सही दाम नहीं मिल पाता। इसका कारण है कि रिसाइकल करने वाले असंगठित क्षेत्र में सोने की शुद्धता की सही जांच नहीं करते हैं। ऐसे में उपभोक्ता को नुकसान होता है। इसलिए जरूरी है कि सोने की रिसाइकल करने के समय उसकी शुद्धता की जांच सही प्रकार से हो। इसी को लेकर मुथूट ने गोल्ड पॉइंट शुरू किए हैं, जहां उपभोक्ताओं के लिए पारदर्शी तरीके से अपना सोना बेचने के लिए मंच तैयार किया गया है। यहां एक्सआरएफ मशीनों के माध्यम से वैज्ञानिक तरीके से जांच कर गोल्ड लिया जाता है और उपभोक्ता को उसकी सही कीमत अदा की जाती है। यह महानगरों और टियर 2 व 3 शहरों में मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि सरकार पिछले कुछ वर्षों से सोने के आयात को कम करने के लिए काम कर रही है, जिसमें पुराने सोने का रिसाइकल करना मुख्य है। क्योंकि देश की लगभग 99 प्रतिशत मांग आयात के माध्यम से पूरी की जाती है। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने निजी लोगों और मंदिरों के पास में 30,000 टन से अधिक सोने का अनुमान लगाया था। अगर इसका एक प्रतिशत भी रिसाइकल किया जाता है, तो इससे आयात में 30-40 प्रतिशत की कमी आएगी।

अब बिना शुल्क समय पूर्व चुका सकते हैं फ्लोटिंग दर वाले कर्ज

गैर-कारोबारी लोन पर 2026 से लागू होगा नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। आरबीआई ने बुधवार को सर्कुलर में कहा, समीक्षाओं में पता चला है कि एमएसई को कर्ज का पहले भुगतान करने पर ज्यादा शुल्क देना होता है। इससे कर्जदाता संस्थान और ग्राहकों में विवाद पैदा होता है। कुछ बैंकों और वित्तीय संस्थानों ने लोन एग्रीमेंट में ऐसे नियम बनाए हैं, जिससे उधार लेने वाला कम ब्याज या बेहतर शर्तों का लाभ उठाने के लिए अन्य संस्थान के पास नहीं जा सके।

अब प्रीपेमेंट के नाम पर भारी जुर्माना भरने से राहत मिलने वाली है। आरबीआई ने सभी बैंकों और वित्तीय संस्थानों से कहा है कि वे छोटे उद्यमों एवं व्यक्तिगत लोगों को दिए कर्ज पर समय से पूर्व भुगतान करने पर कोई शुल्क नहीं लगाएंगे। यह नियम एक जनवरी, 2026 के बाद लिए या नवीनीकरण कराए गए कर्जों पर लागू होगा। आरबीआई ने बुधवार को सर्कुलर में कहा, समीक्षाओं में पता चला है कि एमएसई को कर्ज का पहले भुगतान करने पर ज्यादा शुल्क देना होता है। इससे कर्जदाता संस्थान और ग्राहकों में विवाद पैदा होता है। कुछ बैंकों और वित्तीय संस्थानों ने लोन एग्रीमेंट में ऐसे नियम बनाए हैं, जिससे उधार लेने वाला कम ब्याज या बेहतर शर्तों का लाभ उठाने के लिए अन्य संस्थान के पास नहीं जा सके।?

इन संस्थानों पर लागू नया नियम

आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि गैर-व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए व्यक्तियों के फ्लोटिंग दर पर लिए?गए?कर्ज पर कोई प्री पेमेंट शुल्क नहीं लगेगा। नया नियम सभी वाणिज्यिक बैंकों (पेमेंट्स बैंकों को छोड़कर), सहकारी बैंकों, एनबीएफसी और अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों पर लागू होगा। आरबीआई ने कहा, इन नियमों के अंतर्गत न आने वाले मामलों में कोई पूर्व-भुगतान शुल्क है तो उसे कर्ज स्वीकृति पत्र और उसके समझौते में स्पष्ट रूप से बताना चाहिए। कोई भी अघोषित या पूर्व शुल्क की अनुमति नहीं दी जाएगी। यदि ऋणदाता खुद पूर्व भुगतान शुरू करता है तो कोई शुल्क नहीं लगाया जाएगा।

आंशिक या पूरा, नियम दोनों भुगतान पर लागू

केंद्रीय बैंक ने कहा, नया नियम दोनों तरह के भुगतान पर लागू होगा। चाहे कर्जदार कर्ज का आंशिक या पूरा भुगतान करे। साथ ही, पुनर्भुगतान के लिए इस्तेमाल धन का स्रोत चाहे जो भी हो। इसके लिए बैंक या वित्तीय संस्थान कोई न्यूनतम लॉक-इन अवधि भी नहीं रख सकते हैं। इसका उद्देश्य ऋण देने की प्रथाओं को मानकीकृत करना और वित्तीय संस्थानों के बीच असंगत नीतियों के कारण उत्पन्न होने वाली ग्राहकों की शिकायतों को कम करना है।

अमेरिका ने चीन को दी राहत, सॉफ्टवेयर निर्यात प्रतिबंध हटाया, व्यापार वार्ता के बाद नरम हुआ रुख

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन को रहात देते हुए चिप डिजाइन सॉफ्टवेयर के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंध हटा दिए हैं। यह कदम हाल ही में लंदन में हुई व्यापार वार्ता के तहत दोनों देशों के बीच तनाव को कम करने के लिए उठाया गया है। सभी तीन प्रमुख चिप डिजाइन सॉफ्टवेयर कंपनियों- सिनोप्सिस, कैडेंस और सीमेंस ने बताया कि उन्हें अमेरिकी वाणिज्य विभाग से मई में लगाए गए प्रतिबंधों के हटाए जाने की सूचना दी गई है। चीनी सरकारी समाजार एजेंसी शिन्हुआ की एक रिपोर्ट के अनुसार, तीनों कंपनियां चीन के इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन ऑटोमेशन (श्वष्ठ) बाजार के 70 प्रतिशत हिस्से को नियंत्रित करती हैं।

प्रतिशोध का खेल

मई में जब बीजिंग ने दुर्लभ धातुओं के निर्यात को सीमित करने का फैसला लिया था ,तब अमेरिका ने प्रतिशोध में चिप डिजाइनिंग टूल्स की बिक्री पर रोक लगाई थी। इसके बाद उस महीने की शुरुआत में जिनेवा में व्यापार युद्धविराम के बाद दोनों देशों के बीच तनाव फिर से बढ़ गया था।

चीन में बिक्री और समर्थन दोबारा शुरू

अमेरिकी कंपनी कैडेंस और सिनोप्सिस ने कहा है कि वे चीन में पहले प्रतिबंधित सॉफ्टवेयर की पहुंच बहाल करने की प्रक्रिया में हैं। वहीं, सिनोप्सिस ने अपने सॉफ्टवेयर और तकनीक की पूरी पहुंच फिर से बहाल कर दी है और चीन में बिक्री और समर्थन दोबारा शुरू कर दिया है। विशेषज्ञों के अनुसार चिप-डिजाइनिंग सॉफ्टवेयर या ईडीए सॉफ्टवेयर पर वाशिंगटन के निर्यात नियंत्रण से चीन के सेमीकंडक्टर उद्योग पर विनाशकारी प्रभाव पड़ेगा क्योंकि वे नए माइक्रोचिप्स बनाने के लिए आवश्यक हैं।

इथेन निर्यात और अन्य कंपनियों को भी मिली अनुमति

एक रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप प्रशासन ने अमेरिकी इथेन उत्पादकों को भी चीन को निर्यात फिर से शुरू करने की अनुमति दे दी है। अमेरकी ऊर्जा सूचाना प्रशासन के आंकड़ों के आधार पर पिछले साल अमेरिका के इथेन निर्यात का लगभग 50त्न हिस्सा चीन को गया था। इस उपयोग मुख्य रूप से प्लास्टिक बनाने में किया जाता है। इसके अलावा, अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने अन्य कंपनियों के साथ-साथ जीई एयरोस्पेस को भी चीन को जेट इंजन की शिपमेंट फिर से शुरू करने के लिए कहा है। शुक्रवार को चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि चीन अब इन प्रतिबंधित वस्तुओं की निर्यात लाइसेंसिंग प्रक्रिया की समीक्षा कर रहा है। प्रवक्ता ने कहा कि हमें उम्मीद है कि अमेरिका-चीन आर्थिक और व्यापार संबंधों के पारस्परिक लाभ को गंभीरता से समझेंगे और साथ मिलकर आगे बढ़ना जारी रखेंगे।

निर्यात के साथ अर्थव्यवस्था को मिलेगी रफ्तार, भारतीय श्रमिकों की गतिशीलता में होगा इजाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। नए सौदे के तहत ब्रिटेन में तैनात भारतीय कामगारों को तीन साल तक के लिए राष्ट्रीय बीमा योगदान पर छूट का लाभ मिलेगा, जिससे वे अधिक बचत कर सकेंगे और संभावित रूप से अधिक पैसा घर वापस भेज सकेंगे। एफटीए में 2030 तक भारत और ब्रिटेन के बीच वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार को दोगुना करने का वादा किया गया है। भारत और ब्रिटेन के बीच हाल ही में पूरे हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से न केवल भारतीय निर्यात को बढ़ावा मिलेगा बल्कि उच्च धन प्रेषण और घरेलू खर्च के जरिये भारत की अर्थव्यवस्था को भी समर्थन मिलेगा। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों देशों में भारतीय श्रमिकों की गतिशीलता भी बढ़ेगी। 2024 में विदेश में काम करने वाले भारतीय कामगारों ने लगभग 130 अरब डॉलर की रकम भारत में भेजी थी। यह देश के सकल घरेलू उत्पाद का 3.3 प्रतिशत है। अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात के बाद ब्रिटेन इन रकम का तीसरा सबसे बड़ा स्रोत बना हुआ है। नए सौदे के तहत ब्रिटेन में तैनात भारतीय कामगारों को तीन साल तक के लिए राष्ट्रीय बीमा योगदान पर छूट का लाभ मिलेगा, जिससे वे अधिक बचत कर सकेंगे । एफटीए में 2030 तक भारत और ब्रिटेन के बीच वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार को दोगुना करने का वादा किया गया है। यह 2024 में 56.7 अरब डॉलर के व्यापार से अधिक है। अमेरिकी बाजार में चुनौतियों का सामना करने वाले भारतीय परिधान को ब्रिटेन के बाजार में बेहतर पहुंच से लाभ होने की उम्मीद है। ब्रिटेन के लिए यह समझौता भारत के तेजी से बढ़ते मध्यम वर्ग तक अधिक पहुंच प्रदान करता है। हालांकि, पेय क्षेत्र में तत्काल व्यापार लाभ दिखाई देगा, जहां व्हिस्की और जिन के 97 प्रतिशत निर्यात पर टैरिफ आधा रह जाएगा। इस सौदे में दवा निर्यात शामिल नहीं है, जिससे ब्रिटेन कुछ आर्थिक लाभ सीमित हो गए हैं। इस बात पर भी स्पष्टता की कमी है कि नई कोटा प्रणाली के तहत भारत को ब्रिटेन की कार निर्यात कैसे संचालित होगी।

स्टार फुटबॉलर डिओगो जोटा खेल और विज्ञापन से करते थे बंपर कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टार फुटबॉलर डिओगो जोटा की मौत के बाद उनकी संपत्ति पर भी चर्चा छिड़ गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, डिओगो जोटा की कुल संपत्ति यानी नेट वर्थ करीब 12 मिलियन डॉलर से 20 मिलियन डॉलर (170.62 करोड़ रुपये) के बीच होने का अनुमान है। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं। लिवरपूल के स्टार डिओगो जोटा की स्पेन में एक कार दुर्घटना में मौत हो गई। पुलिस ने गुरुवार को यह जनकारी दी। जोटा 28 साल के थे, तीन छोटे बच्चों के पिता थे। जोटा ने दो हफ्ते से भी कम समय पहले अपने लंबे समय के साथी रूटे कार्डसो से शादी की थी। जोटा के साथ कार में मौजूद उनके भाई, 26 वर्षीय आंद्रे की भी मौत हो गई। वे स्पेन के जमोरा में कार से यात्रा कर रहे थे, जब हादसा हुआ। बुधवार को आधी रात को हुई दुर्घटना का कारण स्पष्ट नहीं है, लेकिन पुलिस रिपोर्टों के अनुसार कार के पिछले टायरों में से एक के पंचर होने के बाद चालक ने नियंत्रण खो दिया। डिओगो जोटा की मौत के बाद उनकी संपत्ति पर भी चर्चा छिड़ गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, डिओगो जोटा की कुल संपत्ति यानी नेट वर्थ करीब 12 मिलियन डॉलर से 20 मिलियन डॉलर (170.62 करोड़ रुपये) के बीच होने का अनुमान है।

सेवा क्षेत्र की वृद्धि 10 माह के उच्च स्तर पर, नए कारोबार और निर्यात ऑर्डर में उछाल का असर

एचएसबीसी इंडिया में मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, नए घरेलू ऑर्डर में अगस्त, 2024 के बाद सबसे तेज उछाल और नए निर्यात कारोबार में उल्लेखनीय तेजी से सेवा पीएमआई (खरीद प्रबंधक सूचकांक) 10 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

मांग और बिक्री में जारी सुधार के बीच नए कारोबारी ऑर्डर में तेज उछाल के दम पर देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर जून, 2025 बढ़कर 10 महीने के उच्च स्तर 60.4 पर पहुंच गई। रोजगार सृजन में भी मजबूत विस्तार देखने को मिला। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस गतिविधि सूचकांक मई में 58.8 रहा था। एचएसबीसी इंडिया में मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, नए घरेलू ऑर्डर में अगस्त, 2024 के बाद सबसे तेज उछाल और नए निर्यात कारोबार में उल्लेखनीय तेजी से सेवा पीएमआई (खरीद प्रबंधक सूचकांक) 10 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। एशियाई, पश्चिम एशियाई एवं अमेरिकी बाजारों से आने वाली मांग में सुधार और घरेलू बाजार की निरंतर मजबूती से भी सेवा क्षेत्र की कंपनियों को लाभ हुआ। भंडारी ने कहा, सेवा क्षेत्र के निरंतर विस्तार का भर्तियों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। जून में लगातार 37वें महीने रोजगार बढ़ा है। मई की रिकॉर्ड भर्तियों से धीमी होने के बावजूद रोजगार वृद्धि की दर दीर्घकालिक औसत से आगे निकल गई।

एक्सिस म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया एक्सिस सर्विसेज ऑपर्च्युनिटीज फंड

मुंबई। भारत की प्रमुख एसेट मैनेजमेंट कंपनियों में से एक, एक्सिस म्यूचुअल फंड ने आज अपनी नई थीमैटिक पेशकश ङ्क एक्सिस सर्विसेज ऑपर्च्युनिटीज फंड को लॉन्च करने की घोषणा की है। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है, जो सेवाक्षेत्र थीम पर आधारित है। इस फंड का नया फंड ऑफर 4 जुलाई 2025 से खुलकर 18 जुलाई 2025 तक निवेश के लिए उपलब्ध रहेगा। एक्सिस सर्विसेज ऑपर्च्यूनिटीज फंड का उद्देश्य निवेशकों को उन कंपनियों के चुनींदा पोर्टफोलियो तक पहुंच प्रदान करना है, जो भारत की सेवाक्षेत्र आधारित आर्थिक बदलाव की अगुवाई कर रही हैं। यह फंड ऐसे व्यवसायों में निवेश करेगा जो स्केलेबल, कैपिटल-एफिशिएंट और प्रतिस्पर्धात्मक रूप से मजबूत हैं, और जिनकी मुख्य आय सेवाओं पर आधारित होती है। फंड का प्रबंधन श्री श्रेयश देवळ्कर (हेड ङ्क इक्विटी), श्री सचिन रेळ्कर (सीनियर फंड मैनेजर) और सुश्री कृष्णा नारायण (विदेशी निवेश के लिए) द्वारा किया जाएगा। एक्सिस एएमसी के एमडी और सीईओ श्री बी. गोपकुमार ने कहा¬÷भारत का भविष्य अब सेवाक्षेत्र-आधारित विकास की ओर बढ़ रहा है, और इस सेगमेंट के लिए जो संरचनात्मक सहायक कारक हैं, वे गहरे और टिकाऊ हैं।

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी दुनिया की शीर्ष 2 प्रतिशत यूनिवर्सिटीज में हुई शामिल

लोबल-नेशनल रैंकिंग में छुई नई बुलंदी

नई दिल्ली, एजेंसी। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी (सीयू) ने दुनिया की शीर्ष दो प्रतिशत में शामिल होकर प्रतिष्ठित क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग-2026 में प्रभावशाली 575वीं रैंक हासिल की है। सीयू ने इस सूची में शामिल होने के लिए 125 स्थान की छलांग लगाई है। इसके साथ ही देश में भी सभी सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों की रैंकिंग में भी सीयू 18वीं से बढ़कर 16वीं रैंक पर पहुंच गई है। भारत की निजी यूनिवर्सिटीज की रैंकिंग में भी चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने पिछले वर्ष तीसरी रैंक से आगे बढ़कर दूसरी रैंक पर पहुंच गई है। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में 54 भारतीय यूनिवर्सिटीज को शामिल किया गया है। सीयू की नवीनतम रैंकिंग भारत और विश्व स्तर पर उच्च शिक्षा के अग्रणी संस्थान के रूप में इसकी बढ़ती प्रतिष्ठा को रेखांकित करती है।

एम्प्लॉयर्स के बीच चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी की प्रभावशाली प्रतिष्ठा को रेखांकित करते हुए सीयू ने पिछले वर्ष की तुलना में 'एम्प्लॉयर्स रेपुटेशन' में 172वीं रैंक से 25 स्थानों की छलांग लगाई और विश्व में 147वें स्थान पर पहुंचने में सफल रही। भारत में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी को एम्पलॉयर्स रेपुटेशन इंडिकेटर में 7वीं रैंक मिली है। पिछले साल की 26वीं रैंक की तुलना में 14 स्थानों की छलांग के साथ चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने इंटरनेशनल रिसर्च नेटवर्क में भारत में 12वां स्थान हासिल किया है, जो अन्य शिक्षण संस्थानों के साथ रिसर्च साझेदारी बनाए रखने में यूनिवर्सिटी की सफलता को दर्शाता है। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने 4300 से अधिक पेटेंट फाइल किए हैं और देश की शीर्ष पांच रिसर्च गहन यूनिवर्सिटीज में शामिल रही है। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी को भारत में पिछले वर्ष एकेडमिक रेपुटेशन में 14वें स्थान की तुलना में इस बार 13वां स्थान मिला है। एकेडमिक रेपुटेशन (एआर) संकेतक शैक्षणिक विशेषज्ञों से यूनिवर्सिटीज को उनकी विशेषज्ञता के विषय क्षेत्र के आधार पर नामित करने के लिए संस्थानों और उनके प्रोग्राम्स की रेपुटेशन को मापता है। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के चांसलर सतनाम सिंह संधू और विश्वविद्यालय के अधिकारी क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी की सफलता का जश्न मनाते हुए। वर्ष 2004 में शुरू हुई क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग पिछले 20 वर्षों में 'वैश्विक पहचान' बन गई है, जिसने आज वैश्विक स्तर पर अकादमिक रैंकिंग के क्षेत्र में अधिकार और प्रामाणिकता की मुहर लगा दी है। क्यूएस रैंकिंग हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूट्स के लिए वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त बेंचमार्क, जहां यूनिवर्सिटीज को एम्प्लॉयर रेपुटेशन, एकेडमिक रेपुटेशन, इंटरनेशनल एम्प्लॉयर रेश्यो, इंटरनेशनल स्टूडेंट्स रेश्यो, फैकल्टी-स्टूडेंट रेश्यो, साइटेशन पर फैकल्टी, रिसर्च एंड इनोवेशन, इंटरनेशनल रिसर्च नेटवर्क और एम्प्लॉयर आउटकम सहित कड़े मापदंडों पर उनके प्रदर्शन के आधार पर रैंक किया जाता है। इसके आधार पर स्टूडेंट्स अपनी अकादमिक और करियर की आकांक्षाओं के अनुसार दुनिया में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले शैक्षणिक संस्थानों में से एक को चुनकर एडमिशन लेने के लिए सही निर्णय ले सकते हैं।

11 लठ्ठे सागौन पिकअप वाहन सहित जप्त बनाए गए छह आरोपी

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा वन परिक्षेत्र अंतर्गत वन परीक्षेत्रअधिकारी रामानंद कश्तवार एवं गस्ती दल ने रात्रि में मुखवीरकी खबर पर अमरवाड़ा सेजा दुलारा मार्ग में एक पिकअप वाहन को अवैध रूप से कीमती सागवान लाते हुए धरदब़ोचा प्रकरण इस प्रकार बताया जाता है किमुख्य वन संरक्षक छिंदवाड़ा, मधु व्ही राज वनमण्डलाधिकारी एल के वासनिक वन मंडल अधिकारी उप वन मंडलाधिकारी अमरवाड़ा सिद्धार्थ दीपांकर जी के मार्ग दर्शन एवं परिक्षेत्राधिकारी रामानंद कस्तवार नेतृत्व वन परिक्षेत्र अमरवाड़ा के गस्ती दल के द्वारा मध्यरात्रि मुखबिर की सूचना पर ग्राम सेजा दुलारा मार्ग पर बोरी माल में एक चौपहिया वाहन महिंद्रा पिकअप क्रमांक द्वश्. 28.त्र। 5229 को संदेह होने पर वन कर्मचारी के द्वारा वाहन रोककर पूछ ताछ कर जांच करने पर मौके पर विनिर्दिष्ठ वनोपज सागौन लठ्ठा 11 नग =0.988 घ. मी. अवैध परिवहन करते पाए जाने पर चौपहिया वाहन पिकअप सहित जप्त कर भारतीय वन अधिनियम एवं अन्य अधिनियम (वनोपज एंव परिवहन)की विभिन्न धाराओं के तहत 06 आरोपी के विरुद्ध नामजद प्रकरण दर्ज किया जिसकी विवेचना जारी है ।

स्टेट बैंक चिखली कलां ने मनाया स्थापना दिवस

परासिया। विधानसभा क्षेत्र के न्यूटन नगर में भारतीय स्टेट बैंक स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक शाखा - चिखली कलां का स्थापना दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया । इस अवसर पर शाखा प्रबंधक लोकेश कुमार चौधरी एवं शाखा ए.फो.एस (स्न.ह्र.रु.) तनवीर आलम के द्वारा न्यूटन नगर के द्वारा बैंक से जुड़े सभी प्रशासनिक अधिकारी , वरिष्ठ एवं समस्त गणमान्य नागरिकों से मिलकर शुभकामनाएं प्रेषित की गई और शाखा से जुड़े होने हेतु आभार व्यक्त किया गया। न्यूटन नगर में भारतीय स्टेट बैंक शाखा चिखली कला के द्वारा मिठाई और चॉकलेट्स का वितरण किया गया और सभी का आभार व्यक्त किया गया ।

अवैध देसी कच्ची महुआ की शराब बरामद

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बँधानी निवासी श्रीचंद नामक व्यक्ति के पास से अवैध शराब6 लीटर बरामद की गई वहीं ग्राम दुलारा निवासी अंत कुमार यादव के पास से 5 लीटर अवैध कच्ची देसी महुआ की शराब सहायक उप निरीक्षक रवि मालवीय ने बरामद कर प्रकरण आबकारी अधिनियम 34 ए में पंजीवद कर विवेचना में लिया ।

नंदकिशोर भोयर के सेवानिवृत्ति पर भावभीनी बिदाई दी

सौसर। वन विभाग में कार्यरत स्थाई कर्मचारी नंदकिशोर भोयर के सेवानिवृत्ति पर वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भावभीनी बिदाई दिया कार्यक्रम में अनु विभागीय वन अधिकारी प्रमोद चोपड़े सौसर वन परिक्षेत्र अधिकारी शिव शंकर चतुर्वेदी की उपस्थिति में वन अधिकारी एवं कर्मचारीयोने नंद किशोर भोयर का शाल और श्रीफल से सत्कार कर उसे उपहार देकर सम्मानित किया कार्यक्रम में प्रमोद चोपड़े शिव शंकर चतुर्वेदी ने नंदू के कार्यों की सराहना करते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना किया कार्यक्रम में वन विभाग के कर्मचारियों ने भी नंदू के कार्यों की सराहना किया तथा पुष्पहार से स्वागत किया।

भूमका घाटी में ट्रक की टक्कर से एक गाय मृत एक घायल

वहान चालक ट्रक लेकर हुआ फरार

अमरवाड़ा । अमरवाड़ा से छिंदवाड़ा मार्ग एन एच 547 भूमका घाटी मैं एक ट्रक केवाहन चालक ने लापरवाही एवं तीव्र गति से वाहन चलाते हुए गायों को जोरदार टक्कर मार दी जिससे एक गाय की मौत हो गई वहीं दूसरी गाय को घायल अवस्था में स्थानी बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के द्वारा पशु चिकित्सालय लाया गया ,जहां पर उसका उपचार प्रारंभ है !मृत गाय का पोस्टमार्टम करा कर दफनाया गया पुलिस ने जानकारी मिलने पर पुलिस द्वारा वाहन को पकड़ने की कार्रवाई तेज कर दी है ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए अंतरित करेंगे राशि

प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना में 235 करोड़ रुपये की होगी राशि अंतरित

छिन्दवाड़ा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार 4 जुलाई को प्रातः 11 बजे भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना में लैपटॉप की राशि अंतरित करेंगे। कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह और जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. विजय शाह की भी गरिमामय उपस्थिति रहेगी।

स्कूल शिक्षा विभाग की प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना में मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मण्डल की 12वीं बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक अर्जित करने वाले प्रति विद्यार्थी को 25 हजार रुपये की राशि लैपटॉप क्रय करने के लिये उनके बैंक खाते में अंतरित करेंगे। इस वर्ष 94 हजार 234 विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिये 235 करोड़ 58 लाख 50 हजार रूपये की राशि दी जा रही है।

हर्रई के तुईयापानी में आदिवासी युवक से मारपीट मामले में पुलिस ने एससी/एसटी एक्ट में मामला दर्ज

छिंदवाड़ा। जिले के हर्रई थाना अंतर्गत ग्राम तुईयापानी में हाल ही में एक युवक से मारपीट के वायरल मामले में छिंदवाड़ा पुलिस द्वारा वस्तुस्थिति स्पष्ट की गई है।

पुलिस विभाग के अनुसार, दिनांक 29 जून 2025 को ग्राम तुईयापानी स्थित नेशनल हाईवे पर राजा चौकसे के ढाबा में कार्यरत आफत बट्टी तथा नवीन बट्टी का ढाबा संचालक से पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद हुआ था। दोनों युवक काम छोड़कर घर लौट आए। इसी विवाद के चलते उसी रात लगभग 10 बजे आरोपीगण राजा चौकसे, गोलू मालवीय और अंकित कहार (निवासी हर्रई) तुईयापानी में राजकुमार बट्टी के घर पहुंचे और लाठी-डंडों से मारपीट की।

इस प्रकरण में पुलिस द्वारा तत्परता से कार्रवाई करते हुए 30 जून 2025 को आरोपी राजा चौकसे को गिरफ्तार किया गया एवं धारा 151 के अंतर्गत भी कार्रवाई की गई। घटना पर फरियादी राजकुमार बट्टी द्वारा थाना हर्रई में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी, जिस पर से संबंधित धाराओं सहित एससी-एसटी एक्ट के अंतर्गत मामला पंजीबद्ध किया गया है। वायरल वीडियो व मीडिया में बाद में जो अमानवीय कृत्य जैसे पेशाब पिलाने या मुंह पर थूकने की बात सामने आई, वह स्न्नद्धक्रदर्ज करते समय फरियादी द्वारा नहीं बताई गई थी और ना ही वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई थी। गांव लौटने के बाद अगली सुबह फरियादी द्वारा अन्य लोगों के समक्ष इन बातों का उल्लेख किया गया, जिनके संबंध में कोई प्रमाण अब तक प्रस्तुत नहीं किए गए हैं। पुलिस द्वारा इस संबंध में फरियादी से आगे भी पूछताछ कर वस्तुस्थिति स्पष्ट की जा रही है।

इस संबंध में अमरवाड़ा एसडीएम से भी प्राप्त जानकारी के अनुसार राजकुमार बट्टी पिता शोभाराम बट्टी निवासी ग्राम तुईयापानी तहसील हर्रई के साथ दिनांक 29 जून 2025 को रात करीब 10ः00 बजे मारपीट की घटना हुई थी। उनके चचेरे भाई आफत बट्टी और भाई नवीन बट्टी राजा चौकसे के ढाबे में काम करते थे। पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद के बाद आफत और नवीन ढाबे से काम छोड़कर लौट आए थे। इसके कुछ देर बाद राजा चौकसे, गोलू मालवीय और अंकित कहार उनके घर पहुंचे और कहासुनी के बाद राजकुमार बट्टी के साथ मारपीट की। जब उन्होंने शोर मचाया तो भाई नवीन बट्टी और पत्नी जानकी बट्टी बीच-बचाव के लिए आए, जिनके साथ भी मारपीट की गई। इस घटना की रिपोर्ट राजकुमार बट्टी द्वारा थाना अमरवाड़ा में दर्ज कराई गई थी, जिसमें कहीं भी अमानवीय कृत्य जैसे पेशाब पिलाने या मुंह पर थूकने की कोई बात दर्ज नहीं है। उन्होनें बताया कि राजकुमार बट्टी के साथ किसी भी प्रकार की अमानवीय घटना नहीं हुई है।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने हर्रई मामले को लेकर अजा थाने में ज्ञापन सौंपा

हर्रई में मार पीट कांड पर पीड़ित पक्ष का पुलिस अनुसूचित जनजाति थाना पहुंचकर कर प्रदर्शन किया यदि कानून न्याय नहीं देगा, तो समाज खुद जवाब देगा। दिनांक 29 जून को थाना हर्रई अंतर्गत आदिवासी समाज के एक युवक के साथ हुए बर्बर हमले और पेशाब पिलाने की अमानवीय घटना।

पातालकोट में आदिवासियों से मिला राष्ट्रीय मीडिया दल

विकास कार्यों का लिया जायजा

छिंदवाड़ा। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के कार्यों का जायजा लेने राष्ट्रीय मीडिया दल मध्य प्रदेश के दौरे पर है।इस दौरे के तहत दल ने 2 जुलाई को विदिशा का भ्रमण किया और आज, 3 जुलाई को छिंदवाड़ा जिले का दौरा किया। छिंदवाड़ा में मीडिया दल ने विशेष रूप से पातालकोट क्षेत्र में जनजातीय समुदायों से मुलाकात की और उनके कल्याण व विकास से संबंधित विभिन्न पहलुओं का जायजा लिया। इस दौरान दल ने एकलव्य आवासीय विद्यालय, तामिया के बच्चों से रूबरू हुए जहां पर उन्हें एक अद्भुत प्रतिभावान बच्चे से मिले जिसे राष्टपति पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है बच्चा ढोलक बचाने में मास्टर है इसके साथ ही छिंदवाड़ा के श्री बादल भोई राज्य आदिवासी संग्रहालय का भी निरीक्षण कर आदिवासी संस्कृति को समझा और वन धन केंद्र पातालकोट का दौरा किया। इसके अतिरिक्त, चिमटीपुर के छात्रावास में भी पातालकोट के आदिवासियों से गहन बातचीत की गई। इस महत्वपूर्ण अवसर पर, रामेश्वर नाईक (उप निदेशक, पीआईबी), उपस्थित रहे। उनके साथ आदिम जाति कल्याण विभाग, छिंदवाड़ा के सहायक आयुक्त सत्येंद्र सिंह मरकाम भी मौजूद थे, जिन्होंने स्थानीय जनजातीय कल्याण कार्यक्रमों की जानकारी दी। केंद्रीय संचार ब्यूरो के प्रचार अधिकारी राम सहाय प्रजापति और एरिया ऑर्गेनाइजर मनीष बोरकर ने भी दल के साथ भ्रमण किया। स्थानीय मीडिया से महेंद्र राय, करण विश्वकर्मा और पत्रकार नितिन दत्ता भी इस कवरेज में शामिल रहे। आदिवासियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का जायजा लिया, यह दौरा जनजातीय समुदायों की वास्तविक स्थिति को समझने और भविष्य की नीतियों के लिए महत्वपूर्ण जानकारी जुटाने में सहायक होगा।

अवैध शराब का परिवहन कर रहे आरोपी को पहुंचाया जेल

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी अजीत एक्का के मार्गदर्शन में आबकारी वृत्त छिंदवाड़ा प्रभारी श्री आकाश मेश्राम द्वारा आज प्रातः के समय गश्त के दौरान अचानक मुखबिर से सूचना प्राप्त होने के बाद बोहता से चांद सड़क मार्ग की ओर अपनी टीम के साथ घेराबंदी की गई। बोरिया से बोहता की ओर दुपहिया वाहन टीवीएस जुपिटर से एक संदिग्ध व्यक्ति आता दिखाई दिया, जिसे टीम ने रोककर उससे पूछताछ की और उसकी जुपिटर वाहन में प्लास्टिक की कुप्पी एवं दो प्लास्टिक की बोरियों के अंदर पन्नियों में भरे तरल द्रव की माप और जांच के पश्चात तरल द्रव को महुआ निर्मित हाथ भट्टी मदिरा होना पाया, जो कि कुल जमा 60 बल्क लीटर होना पाया। आरोपी श्री रामकृपाल सराठे ने बताया कि यह शराब वह बिछुआ के आसपास के क्षेत्र से लाकर छिंदवाड़ा में सप्लाई करता है। आरोपी के विरूध्द मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम संशोधित 2000 की धारा 34(1)क, 34(2) एवं 46(1) के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां माननीय न्यायाधीश महोदय द्वारा उसे जेल भेज दिया गया।

प्लॉट विक्रेता द्वारा भुगतान के बाद भी रजिस्ट्री न करने पर वैश्य समाज ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को शिकायत की

छिंदवाड़ा। वैश्य महासम्मेलन छिंदवाड़ा के प्रमुख पदाधिकारियों, वैश्य भवन ट्रस्टियों और बड़ी संख्या में समाज के सदस्यों ने प्लॉट विक्रेता द्वारा अनुबंध के उल्लंघन और रजिस्ट्री में टालमटोल की शिकायत को लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री आयुष गुप्ता से मुलाकात की और लिखित शिकायत पत्र सौंपा।इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रदेश संगठन महामंत्री विजय झांझरी ने बताया कि सुमेरसिंग नैय्यर की माताजी के नाम दर्ज 17,000 वर्गफुट के एक प्लॉट को रू.1.87 करोड़ में खरीदने का अनुबंध 7 जुलाई 2024 को किया गया था। अनुबंध के अनुसार प्लॉट को अधिकतम 9 भागों में विभाजित कर, किश्तों के रूप में भुगतान के अनुसार रजिस्ट्री की जानी थी।अब तक प्लॉट के पांच भू-भाग बनाए जा चुके हैं, जिनमें से चार भागों की कुल राशि रू. 64.20 लाख और पांचवें भाग के लिए रू. 29.01 लाख का भुगतान खरीदारों द्वारा विक्रेता के खाते में कर दिया गया है। इसके बावजूद विक्रेता ने चार प्लॉट की रजिस्ट्री करने से यह कहकर मना कर दिया कि पहले रू. 1.87 करोड़ की पूरी राशि अदा की जाए, जबकि यह अनुबंध की स्पष्ट अवहेलना है।श्री झांझरी ने बताया कि पांचवें भू-भाग की राशि वैश्य भवन ट्रस्ट की है और ट्रस्ट की शर्त है कि पहले चार हिस्सों की रजिस्ट्री हो, तभी अंतिम भाग की शेष राशि अदा की जाएगी। इसी संदर्भ में पुलिस प्रशासन से हस्तक्षेप कर चारों प्लॉट की शीघ्र रजिस्ट्री कराने की मांग की गई है।अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आयुष गुप्ता ने समाजजनों की बात गंभीरता से सुनी और शीघ्र कार्रवाई का भरोसा दिलाया।शिष्टमंडल में शामिल प्रमुख सदस्य- जे पी नेमा, नीरज भारद्वाज, अनिल गुप्ता, विकास वात्सल्य, विनीत गुप्ता, रोहित राठी, राजेश सोनी (मार्बल), कमलेश गुप्ता, शैलेन्द्र जैन (रूब्र), विशाल माहेश्वरी, सुनील जैन, देवेश राठी, पंकज जैन, चिंतन जैन, आकाश गुप्ता, अनिल बज, नरेंद्र अग्रवाल (बबलू), बृजेश काल्पीवार, आदित्य नाहर, राकेश अग्रवाल, अमित सोनी, श्रीराम सोनी, अंकुर शाह, नवीन जैन, अंकेश साहू, संजय साहू, नीलेश जैन, मुरली राठी, प्रभात अग्रवाल, मनोज बाकलीवाल, भरत काबरा, चेतन जैन (चानी), प्रवीण जैन, मनमोहन चांडक, जितेंद्र जैन, नितेश जैन, खुशाल अग्रवाल, विवेकराज जैन, अंकितराज जैन, सुमित जैन, निखिल जैन, अविनाश जैन, राजेश नेमा, चैनकुमार जैन, विनीत झांझरी, मुकुंद अग्रवाल, संदीप जैन (प्रशिक्षण अधिकारी), इंजीनियर संदीप जैन, अजय चौरसिया (पिंटू), कुंज राठी, अशोक अग्रवाल, मनोज साहू, राजेश जैन समेत समाज के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

इनका कहना

रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है, मेरे द्वारा रजिस्ट्री करने को मना नहीं किया गया है। चूंकि इनका इकरारनामा की अंतिम तिथि 5 जुलाई है और इनके द्वारा बकाया राशि न देकर रजिस्ट्री करने को बोल रहे हैं। बकाया राशि मिलने के बाद ही रजिस्ट्री करूंगा।

सुमेरसिंह नैय्यर

शांति और सद्भाव के साथ मनाया जायेगा मोहर्रम का त्यौहार

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक

छिन्दवाड़ा। मोहर्रम का पर्व चांद नज़र आने के बाद 27 जून से प्रारंभ हो गया है, जो 06 जुलाई 2025 तक मनाया जायेगा। मोहर्रम की पहली तारीख से दस तारीख तक विभिन्न आयोजन किए जाते हैं। जिले में मोहर्रम पर्व के अवसर पर कानून एवं शांति व्यवस्था और अन्य आवश्यक व्यवस्थायें बनाये रखने के लिये आज कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री शीलेन्द्र सिंह की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक श्री अजय पाण?डेय की उपस्थिति में कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक संपन्न हुई । बैठक में समिति के सभी सदस्यों से बारी-बारी से सुझाव लिये गये और सर्वसम्मति से महत्वपूर्ण निर्णय के उपरांत संबंधित अधिकारियों को तद्नुरूप आवश्यक कार्यवाही करते हुये समुचित व्यवस्थायें बनाने के लिए निर्देशित किया गया। कलेक्टर श्री सिंह और पुलिस अधीक्षक श्री पाण्डेय ने सभी सदस्यों को आश्वस्त किया कि त्यौहार में पुलिस प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थायें की जायेंगी और हर संभव सहयोग किया जाएगा। साफ-सफाई, यातायात व्यवस्था, पीने के पानी की व्यवस्था, विद्युत एवं प्रकाश व्यवस्था, मार्गों को ठीक करने, मार्गों से अतिक्रमण हटाने, विद्युत के झूलते तारों को सही करने, ताजियों के विसर्जन स्थल बड़ा तालाब में पर्याप्त रोशनी, साफ-सफाई, पंडाल, पानी, कुर्सी आदि व्यवस्था सहित अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थायें संबंधित विभागों के माध्यम से कराई जाएंगी। इस संबंध में उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिये।

आठ दिवसीय महापर्व अष्टान्हिका का हुआ शुभारंभ

नगर के जैन मंदिरों में प्रारंभ हुए पूजन विधान

छिंदवाड़ा - जैन दर्शन के अनादि निधन शाश्वत महापर्व अष्टान्हिका का मंगलमय शुभारंभ आषाढ़ शुक्ल अष्टमी गुरुवार के शुभ दिन विविध अनुष्ठानों के साथ हुआ जो आगामी आठ दिन आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा 10 जुलाई तक चलेगा।मंगलमय प्रसंग पर नगर के अहिंसा स्थली गोल गंज स्थित श्री आदिनाथ दिगंबर जिनालय में श्री दिगंबर जैन मुमुक्षु मंडल, अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन के तत्वावधान में श्री नंदीश्वर दीप बाबन पूजन विधान का भव्य शुभारंभ मंगल कलश, जिनवाणी एवं अष्ट मंगल द्रव्यों की स्थापना के साथ हुआ। जिसका सौभाग्य जिनशासन सेविका श्राविकाओं को प्राप्त हुआ।मंगलकारी विधान में मंडल के मंत्री अशोक वैभव, फेडरेशन सचिव दीपक राज जैन सहित पंडित ऋषभ शास्त्री, वर्धमान जैन, सचिन जैन, विवेक जैन, आशीष कौशल एवं जूली पाटनी के साथ बड़ी संख्या में श्रावकगणों ने जिनशासन के मंगलगान करते हुए देव - शास्त्र - गुरु भगवन्तों की मंगल आराधना की ओर चंबर नृत्य करते हुए जिनशासन की मंगल प्रभावना की। मंगलमय प्रवचनों की श्रृंखला में स्वाध्याय भवन में गुरुदेवश्री के सीडी प्रवचनों में गायक भगवान आत्मा की महिमा जानी ओर संध्या की बेला पर अष्टान्हिका महापर्व का स्वरूप जाना।

जिले में अभी तक 221.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

छिन्दवाड़ा। जिले की औसत वर्षा 1059 मि.मी. है तथा जिले में अभी तक 221.8 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि गत वर्ष इस अवधि तक 198.7 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले में 03 जुलाई 2025 को प्रातः 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान 0.9 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 03 जुलाई 2025 को प्रातः 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान तहसील तामिया में 01, परासिया में 01, जुन्नारदेव में 5.2 और उमरेठ में 03 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि जिले में एक जून से अभी तक तहसील छिन्दवाड़ा में 202.8, मोहखेड़ 241.1, तामिया में 185, अमरवाड़ा में 300.4, चौरई में 165, हर्रई में 315.8, बिछुआ में 127.4, परासिया में 151, जुन्नारदेव में 224.8, मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

भाउराव की हत्या और शहर के बीच संचालित अवैध शराब दुकानों को हटाने गुलाबी गैंग का अनिश्चितकालीन, आमरण अनशन धरना

छिंदवाड़ा। पांढुरना के तिगांव में भाउराव की शराब माफिया और पुलिस द्वारा छिंदवाड़ा जिला जेल में निर्मम हत्या करवाने एवं शहर के बीचो बीच संचालित अवैध शराब दुकानों, आहतों को हटाकर शहर के बाहर करने को लेकर गुलाबी गैंग कमाण्डर पूर्णिमा वर्मा के नेतृत्व में 3 जुलाई 2025 दिन गुरूवार से स्थानीय इंदिरा चैराहे पर अनिश्चित कालीन आमरण अनशन प्रारंभ कर दिया गया है। उन्होनें बताया कि पॉढुर्णा में आंदोलन के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया गया था, परंतु आज एक माह बाद तक उक्त घटना के दोषियों के विरूद्ध कोई कार्यवाही नहीं की गई और पीड़ित पारिवार न्याय की आस लगाये बैठे है, पूर्णिमा वर्मा ने पॉढुर्णा की घटना में शामिल आरोपियों के विरूद्ध तत्काल कार्यवाही करने एवं शहर के मुख्य चैराहों प्रमुख रूप से मान सरोवर बस स्टेण्ड के सामने अमित ठेंगे चैक पर और शहर की हृदय स्थली गांधी प्रतिमा के पीछे स्थित शराब दुकानों आहतों को तत्काल शहर से बाहर करने की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन धरना प्रारंभ किया है, जो कि उनकी मांग पूरी नहीं होने तक निरंतर जारी रहेगा । आज अनशन में गुलाबी गैंग की कमाण्डर पूर्णिमा वर्मा के साथ, किरन मोहबे, शोभा वर्मा बैठी। इस अवसर पर अंजली सोनी चैरई ग्रामीण कमाण्डर, तामिया कमाण्डर, दीघावानी, चांवलपानी अमरवाड़ा और छिंदवाड़ा गुलाबी गैंग की सदस्य मौजूद रही ।

सतना सीमेन्ट वर्क्स द्वारा बच्चों को शिक्षा सामग्री किट वितरित कर प्रोत्साहित किया गया

सतना। बिरला कॉरपोरेशन लिमिटेड यूनिट सतना सीमेन्ट वर्क्स, सतना अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति सदैव कटिबद्ध है।इसी के परिपालन में संस्थान द्वारा शिक्षा-सारथी कार्यक्रम के तहत गरीब व वंचित बच्चों को शिक्षा के मुख्य धारा से जोड़ने हेतु कई प्रयास कर रही हैं जिसमें सरकारी शालाओं में सुविधायें उपलब्ध कराना, बच्चों के लिए कोचिंग चलाना साथ ही आज के कार्यक्रम का उद्देश्य नई बस्ती (स्लम एरिया) में पढ़ रहे कक्षा 1 से 5वीं तक के 32 बच्चों को स्कूल बैग,किताबें, ड्रेस जूता -मोजा स्वेटर आदि सामग्रियों का वितरण कर बच्चों और उनके पालकों को प्रोत्साहित करना है ताकि इस वर्ग के बच्चे भी अपना भविष्य बना सकें और देश के विकास में अपना योगदान दे सकें।

इसी के परिपालन में संस्थान द्वारा शिक्षा-सारथी कार्यक्रम केअंतर्गत बच्चों को शिक्षण सामग्री किट का वितरण किया गया।इसके उपरांत श्री आर.के.गिरि,एच.आर.हेड द्वारा शिक्षा-सारथी कार्यक्रम उपलब्धियों के बारे में बताया गया। श्री कौशल मिश्रा,यूनिट हेड नेइस बात पर जोर दिया कि हमें सभी के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आजीविका पर कार्य करनें की आवश्यकता है जिससे समाज का सम्पूर्ण व बेहतर रूप से विकास हो सके।मुख्य अतिथि सुश्री आयुषी अग्रवाल खंड शिक्षा अधिकारी नें कहा कि मैंने किसी अन्य सी.एस.आर. टीम को इस प्रकार कार्य करते हुये पहली बार देखा है हमें इन बच्चों को आगे बढानें के लिए काम करना है क्योंकि ये बच्चे ही हमारे देश का निर्माण करेंगे आप लोगों को शिक्षा विभाग की जहां भी जरुरत हो आप बतायें। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुश्री आयुषी अग्रवाल, खंड शिक्षा अधिकारी सोहावल,कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री कौशल मिश्रा,यूनिट हेड बिरला कॉरपोरेशन लिमिटेड यूनिट सतना रहे तथा कार्यक्रम में मुख्य रुप से श्री आर.के.गिरि, एच.आर. हेड एवं सी.एस.आर. से श्री रंजीत प्रसाद (क्लस्टर हेड), श्री विजय कुमार (मैनेजर), अनामिका सिंह एवं सहयोगी संस्था प्रजायत्न एवं प्रियांसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जगन्नाथ स्वामी नयनपथ गामी भवतु मे....

इसकॉन ने भव्य जगन्नाथ यात्रा निकाली , प्रभु प्रेमी संघ ने किया भव्य स्वागत

आष्टा। नगर की धार्मिक और सांस्कृतिक चेतना को पुष्ट करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय श्री कृष्ण भावनामृत संघ इसकॉन की स्थानीय शाखा द्वारा आज भव्य जगन्नाथ यात्रा निकाली गयी। हजारों कृष्ण भक्त स्त्री पुरुष इस यात्रा में शामिल हुए। जगन्नाथ यात्रा स्थानीय गायत्री शक्ति पीठ से अनाज मंडी प्रांगण तक पहुंची। सनातन संस्कृति के ज्येष्ठ आचार्य स्वामी अवधेशानन्द गिरी जी महाराज द्वारा स्थापित प्रभु प्रेमी संघ ने अदालत चौराहे पर यात्रा का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर प्रभु प्रेमी संघ के संयोजक कैलाश परमार ने कहा कि जगन्नाथ रथयात्रा जैसे आयोजन हमारे शहर की शानदार धार्मिक परम्पराओं को मजबूत करते हैं यह प्रसन्नता और गौरव की बात है। पूर्व नपाध्यक्ष कैलाश परमार ने रथयात्रा में भगवान बलदेव एवं सुभद्रा रानी की पूजन अर्चन की साथ ही इसकॉन के संत प्रभातप्रभु सहित इसकॉन के पदाधिकारी एवं आयोजनकर्ता संदीप सोनी गीतांजलि, समिति अध्यक्ष नवीन पांचाल तथा अनिल भाटी, सुरेन्द्र सोनी, हरिओम कटारिया, ओमप्रकाश पाटीदार, रितिक सोनी, डॉ.ओ.पी. मालवीय, सुनिल बुधवंत, सोनी शर्मा, संतोष राठौर, कमलेश माहेश्वरी, चन्द्रेश माथुर, योगेश शर्मा, सुमित सोनी,मोहित सोनी सहित सभी सदस्यो का अभिनन्दन किया। स्मरण रहे कि भगवान श्री कृष्ण की भक्ति को बढ़ावा देने के लिए समूचे विश्व मे हरे कृष्ण आंदोलन के रूप में विख्यात इसकॉन की धार्मिक गतिविधियां वैष्णव परम्परा के अनुयायियों को एकजुट कर कृष्ण भक्ति के प्रचार प्रसार में अत्यंत ही अनुशाषित और व्यवस्थित तरीके से नगर में चल रही है। आज निकाली गई जगन्नाथ रथयात्रा में इसकॉन द्वारा निर्धारित आकर्षक और गरिमामयी परिधान में विशाल संख्यां में कृष्ण भक्त युवक युवतियां और बालक बालिका भी शामिल हुए। यात्रा मार्ग में दर्जनों स्थान पर यात्रा का स्वागत हुआ। भक्ति और उल्लास के वातावरण में निकाली गई भगवान जगन्नाथ की यात्रा के दौरान मौसम भी अनुकूल रहा। रथयात्रा में पंक्तिबद्ध हो कर निकले श्रद्धालुओं ने भजन और कीर्तन की धुन पर नृत्य के साथ ही हरे रामा हरे कृष्णा के उद्घोष से सभी को मोहित किया। यात्रा मार्ग में श्रद्धालुओं ने भगवान बलभद्र का रथ खींच कर पुण्य लाभ लिया। अदालत चौराहे पर प्रभु प्रेमी संघ के संयोजक कैलाश परमार ,अजित जैन आस्था, प्रभु प्रेमी संघ के महासचिव प्रदीप प्रगति, माँ पार्वती गौशाला के अध्यक्ष पूर्व पार्षद नरेंद्र कुशवाह, सुभाष नामदेव, एडवोकेट सुरेंद्र परमार, वीरेंद्र परमार, संजय जैन, रवि विश्वकर्मा, आदि ने स्वागत पट्टिका से स्वागत करते रथयात्रा में शामिल हुए भक्तों में प्रसाद स्वरूप फलाहारी लड्डू वितरित किये।

कांग्रेस अनुसूचित जाति महिला प्रकोष्ठ की बैठक

छिन्दवाड़ा। भाजपा की सरकार में गरीब व मध्यम वर्ग के परिवार का जीवन मुश्किलों में बीत रहा है। महंगाई ने आम आदमी का दम निकाल दिया और युवा काम की तलाश में भटक रहे हैं। भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों से आम जन को अवगत कराने कांग्रेस अनुसूचित जाति महिला प्रकोष्ठ की बैठकें निरंतर जारी है। इसी क्रम नगर पालिक निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 09 लहगडुआ में कांग्रेस अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ की बैठक सम्पन्न हुई। आयोजित बैठक को सम्बोधित करते हुए कांग्रेस अनुसूचित जाति महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष संतोषी गजभिये ने मातृशक्ति के समक्ष भाजपा के द्वारा महिलाओं के लिए किए गए झूठे वादों और घोषणाओं की पोल खोल दी। उन्होंने कहा कि पांच सौ रुपए में रसोई गैस सिलेंडर आज तक नहीं मिला, उपर से सब्सिडी बंद कर दी गई। लाड़ली बहनों को तीन हजार रपए देने का वादा भी झूठा निकला। ऐसे अन्य विषयों की ओर महिलाओं का ध्यानाकर्षण कराया।

शर्तों के साथ सरकार की मंजूरी

अब एमपी में महिलाएं रात में कर सकेंगी काम

भोपाल। प्रदेश सरकार ने एक बड़ा निर्णय लेते हुए महिलाओं को शॉपिंग मॉल, बाजार, कारखानों और प्रोडक्शन यूनिट्स में रात में काम करने की अनुमति दे दी है। यह अनुमति सशर्त होगी, जिसके तहत महिला कर्मचारियों की सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी संबंधित नियोक्ता की होगी। इस संबंध में सरकार ने अधिसूचना जारी कर दी है। सरकार का मानना है कि इस निर्णय से महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत होने का अवसर मिलेगा और कारोबारियों को भी अपनी गतिविधियों का विस्तार करने में सुविधा होगी।

रात में काम के लिए सुरक्षा प्रबंध जरूरी

श्रम विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, रात 9 बजे से सुबह 7 बजे तक शॉप्स और शोरूम्स में काम करने वाली महिला कर्मचारियों की संख्या कम से कम 10 होनी चाहिए। वहीं, कारखानों के लिए यह समय रात 8 बजे से सुबह 6 बजे तक निर्धारित किया गया है। कारखानों और यूनिट्स में यदि महिलाएं रात्रिकालीन शिफ्ट में कार्यरत होंगी, तो प्रत्येक शिफ्ट में एक-तिहाई महिला सुपरवाइजर, शिफ्ट इंचार्ज या फोरमैन की उपस्थिति अनिवार्य होगी।

ये व्यवस्थाएं नियोक्ता को सुनिश्चित करनी होंगी

- महिला कर्मचारी की लिखित सहमति लेनी होगी।
- कम से कम 5 महिलाएं ड्यूटी पर रहें।
- घर से लाने और छोड़ने की सुरक्षित परिवहन व्यवस्था।
- कार्यस्थल पर स्वच्छ टॉयलेट, पेयजल, विश्राम कक्ष और भोजन की व्यवस्था।
- प्रवेश और निकास बिंदुओं पर महिला सुरक्षा गार्ड और सीसीटीवी कैमरे।
- यदि ठहरने की सुविधा है, तो महिला वार्डन की निगरानी।
- कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न निवारण अधिनियम का पालन अनिवार्य।

संपूर्ण विश्व में भारत,भारतीयता एवं भारतीय संस्कृति का परचम लहराने वाले युग पुरुष ,युग प्रवर्तक, युवाओं के प्रेरणा स्रोत स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी प्रतिमा स्थल पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना एवं वरिष्ठ कांग्रेस जनों ने पुष्पांजलि अर्पित की इसके पश्चात प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में भी स्वामी विवेकानंद जी की छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर पुण्य स्मरण किया गया साथ ही प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री गुलजारीलाल नंदा जी की जयंती पर उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

मप्र सरकार पेश करेगी जवाब

प्रदेश में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई

भोपाल। प्रदेश के अन्य पिछड़े वर्गों को 14 फीसदी से बढ़ाकर 27 फीसदी आरक्षण देने के कमलनाथ सरकार के मामले पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई होगी। इससे पहले बीते 25 जून को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में मप्र सरकार से 4 जुलाई तक जवाब पेश करने के आदेश दिए थे। राज्य सरकार आज इस संबंध में अपना जवाब पेश करेगी कि 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण लागू होने से कुल आरक्षण की सीमा 50 फीसदी को क्रॉस तो नहीं करेगी। सुप्रीम कोर्ट में ओबीसी वर्ग के याचिकाकर्ता ने मध्य प्रदेश विधानसभा द्वारा 2019 में पारित कानून को लागू करने का आग्रह किया है। जिसने सार्वजनिक रोजगार और शैक्षणिक संस्थानों में ओबीसी आरक्षण को 14त्न से बढ़ाकर 27त्न कर दिया था। लेकिन, यह प्रदेश में क्रियान्वित नहीं हो पाया।

इस मामले में अब तक क्या हुआ

- 2019 में कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने 14 से 27 प्रतिशत तक ओबीसी आरक्षण बढ़ाया, जिससे कुल आरक्षण 63 प्रतिशत हो गया।
- हाईकोर्ट की रोक, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने पीजी मेडिकल प्रवेश परीक्षा में यह बढ़ोतरी रोककर रखी।
- सुप्रीम कोर्ट हस्तक्षेप, 2024 में इस मामले की सभी याचिकाएं हाईकोर्ट से सुप्रीम को स्थानांतरित कर दी गई।
- इस मामले के कोर्ट में लंबित होने के कारण वर्तमान में भर्ती प्रक्रियाएं 87:13 फार्मूले पर चल रही हैं। जब तक सुप्रीम कोर्ट अंतिम निर्णय नहीं देता।
- आज सुप्रीम कोर्ट यह तय करेगा कि क्या 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने से संविधान में तय 50 प्रतिशत की आरक्षण सीमा का उल्लंघन होगा या नहीं। या फिर आरक्षण को तुरंत लागू करने को कहा जाए, क्योंकि इसके लिए कोई वैधानिक प्रतिबंध नहीं है ?

राजा भोज एयरपोर्ट देश में फिर बना नंबर-1

यात्रियों से मिली परिपूर्ण रेटिंग

भोपाल। राजा भोज एयरपोर्ट ने एक बार फिर देशभर के 62 एयरपोर्ट्स को पीछे छोड़ते हुए कस्टमर सैटिस्फैक्शन सर्वे (जनवरी-जून 2025) में पहला स्थान हासिल किया है। यह सर्वे भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) द्वारा किया गया, जिसमें यात्रियों से 30 से ज्यादा बिंदुओं पर फीडबैक लिया गया। भोपाल एयरपोर्ट को इस बार 5 में से 5.00 की परिपूर्ण रेटिंग मिली है, जो पिछले सर्वे (जुलाई-दिसंबर 2024) से 0.16 अंकों की बढ़ोतरी है। इससे पहले वर्ष 2023 में भी भोपाल एयरपोर्ट देश में पहले स्थान पर रहा था।

इन बातों पर सबसे ज्यादा सराहना

- चेक-इन स्टाफ का व्यवहार और काम करने की दक्षता
- सुरक्षा जांच की सरल और पारदर्शी प्रक्रिया
- वॉशरूम और टर्मिनल की साफ-सफाई
- खानपान सेवाओं की गुणवत्ता और सही कीमत
- यात्रियों को मिलने वाली सुरक्षा और सुविधा की भावना
- स्टाफ का सहयोगात्मक और मैत्रीपूर्ण रवैया
- स्पष्ट सूचना डिस्प्ले और दिशा-निर्देश

सुविधाएं लगातार हो रही हैं बेहतर

एएआई ने अधिकारियों बताया कि भोपाल एयरपोर्ट पर यात्रियों की सुविधा बढ़ाने और सेवा की गुणवत्ता सुधारने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि भोपाल एयरपोर्ट यात्रियों को बेहतर सेवा देने के अपने संकल्प पर लगातार खरा उतर रहा है।

फर्जी जन्म मृत्यु प्रमाण पत्रों पर लगाम लगाने का प्लान तैयार , लगेंगे बारकोड

भोपाल। राजधानी भोपाल में नगर निगम द्वारा बनाए जा रहे ऑनलाइन जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र को फर्जी तरीके से बनाने का मामला सामने आने के बाद, भोपाल नगर निगम (बीएमसी) हरकत में आ गया है। नागरिकों को जाली दस्तावेजों की पहचान करने में मदद करने के लिए, निगम जल्द ही अपने सभी कार्यालयों के बाहर बारकोड स्टिकर और नमूना प्रमाण-पत्र चिपकाएगा। इससे लोगों के लिए यह सत्यापित करना आसान होगा कि उनके पास जो प्रमाण-पत्र हैं या वे प्राप्त करने की योजना बना रहे हैं, वे असली हैं या नहीं। दरसल यह कदम जन्म-मृत्यु प्रमाण-पत्र शाखा में एक फर्जी जन्म प्रमाण-पत्र सामने आने के बाद उठाया गया है। निगम के पोर्टल पर स्कैन करने पर, कर्मचारियों ने पाया कि यह एक नकली

एक नकली प्रमाण पत्र पकड़ा था

पिछले दिनों निगम का एक नकली प्रमाण पत्र पकड़ा था। धोखाधड़ी की पुष्टि होने के बाद, बीएमसी ने गोविंदपुरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। अधिकारियों का मानना है कि इस तरह के और भी फर्जी प्रमाण पत्र बनाए गए होंगे और वितरित किए गए होंगे, संभवतः दलालों की मदद यह काम किया जा रहा है। अब इसे रोकने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है।

अमेजन में नौकरी लगवाने के नाम पर 80 युवाओं को ठगने वाला गिरफ्तार

भोपाल। अमेजन में टेलीकॉलर की नौकरी लगवाने के नाम पर भोपाल सहित आसपास के युवाओं से ठगी करने वाले एक शातिर जालसाज को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान तलैया निवासी नबील सिद्दीकी के रूप में हुई है। नबील ने अब तक 80 से अधिक बेरोजगारों को अपने झांसे में लेकर लाखों रुपए की ठगी की है। एडिशनल डीसीपी क्राइम शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि आरोपी नबील पहले अमेजन कंपनी की पुणे स्थित ब्रांच में टेलीकॉलर के रूप में काम कर चुका है। इस अनुभव का फायदा उठाकर वह भोपाल में अमेजन के नाम से फर्जी ई-मेल आईडी बनाकर बेरोजगार युवाओं को नौकरी का झांसा देता था। वह इसी ई-मेल आईडी से युवाओं को फर्जी जॉइनिंग लेटर भेजता था ताकि उस पर कोई शक न कर सके। पूछताछ में सामने आया है कि नबील लोगों को समूह (बैच) में नौकरी लगाने का झांसा देता था। पहले वह कहता कि कंपनी को 30 लोगों की जरूरत है, फिर संख्या बढ़ाकर 50 और फिर 100 कर देता था। ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों से पैसे वसूले जा सकें। जांच अधिकारी भरत प्रजापति के अनुसार नबील ने शुरू में 30 लोगों का एक बैच तैयार किया और कहा कि अमेजन पुणे ऑफिस में इन्हें नियुक्त किया जाएगा। फिर कहा कि कंपनी को 50 लोगों की जरूरत है। नियुक्ति तभी होगी जब संख्या पूरी होगी। कई लोग फंसते चले गए। जैसे-जैसे नियुक्ति टलती रही, कुछ युवाओं को शक हुआ और उन्होंने अपने स्तर पर पड़ताल की। अमेजन से संपर्क किया तो पूरा मामला फर्जी निकला। इसके बाद क्राइम ब्रांच में शिकायत दर्ज कराई। क्राइम ब्रांच को नबील की पिछले एक साल से तलाश थी। वह फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के बाद पुलिस यह भी पता लगा रही है कि वह इस ठगी में अकेला था या इसके पीछे कोई संगठित गिरोह काम कर रहा था। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि फरारी के दौरान वह कहां-कहां रहा और किन-किन लोगों से संपर्क में था।